संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 174
पृष्ठ 8
गुरूवार
13 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- होली के रंगों से स्किन और बालों...

विचार- चैंपियंस ट्राफी, मैदान के बाहर...

खेल- नॉकआउट मैच में मुंबई के सामने...

भारत और मॉरीशस के बीच हुए आठ समझौते:

व्यापार, समुद्री सुरक्षा में सहयोग बढ़ाना मकसद

पोर्ट लुईस, एजेंसी। भारत और मॉरीशस ने अपने संबंधों को उन्नत रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देते हुए 8 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों का उद्देश्य व्यापार, समुद्री सुरक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस दौरान भारतीय नौसेना का एक युद्धपोत और वायुसेना की आकाश गंगा स्काईडाइविंग टीम ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने वैश्विक दक्षिण के विकास के लिए 'महासागर' (म्यूचुअल एंड हॉलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रीजन्स) नाम की नई नीति की घोषणा की। यह नीति 2015 में शुरू की गई सागर (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन) नीति का विस्तार है। उन्होंने कहा कि भारत और मॉरीशस दोनों के

लिए भारतीय महासागर को मुक्त, सुरक्षित और स्थिर रखना प्राथमिकता है। भारत मॉरीशस के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की सुरक्षा में पूरा सहयोग देगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान कई नई विकास परियोजनाओं की भी घोषणा की। जिसमें 100 किलोमीटर लंबी जल पाइपलाइन का आधुनिकीकरण, 500 मिलियन मॉरीशस रुपये की सामुदायिक विकास परियोजनाएं और मॉरीशस की नई संसद का निर्माण, जिसे भारत मॉरीशस को 'लोकतंत्र की जननी' की ओर से उपहार के रूप में देगा। भारत और मॉरीशस के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए अहम घोषणाएं की गई है। जिसमें मॉरीशस के लोगों के लिए भारत में चारधाम यात्रा और रामायण ट्रेल की सुविधाएं दी जाएंगी। यूपीआई और रुपे कार्ड का विस्तार किया जाएगा जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। अटल बिहारी वाजपेयी लोक सेवा एवं नवाचार संस्थान का उद्घाटन किया गया।

मॉरीशस के साथ भारत के विशेष संबंध

भारत और मॉरीशस के बीच महत्वपूर्ण समझौते और घोषणाएं

- व्यापार में राष्ट्रीय मुद्राओं का इस्तेमाल– दोनों देश व्यापार के लिए अपनी–अपनी मुद्राओं (भारतीय रुपये और मॉरीशस रुपया) का उपयोग करेंगे।
- समुद्री डेटा साझा करना– समुद्री सुरक्षा और निगरानी के लिए संयुक्त प्रयास होंगे।
- धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) रोकने के लिए सहयोग किए जाएंगे।
- एमएसएमई क्षेत्र में सहयोग– छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।
- कोस्ट गार्ड को मजबूत करना– भारत मॉरीशस को कोस्ट गार्ड की जरूरतों के लिए हरसंभव मदद देगा।
- पुलिस अकादमी और समुद्री सूचना केंद्र की स्थापना
- चागोस द्वीप मुद्दे पर समर्थन– भारत ने मॉरीशस की संप्रभुता का सम्मान करने की बात दोहराई।
- डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में सहयोग पर सहमति

मॉरीशस की 1.2 मिलियन की आबादी में लगभग 70% भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जिससे दोनों देशों के बीच गहरा सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, प्राकृतिक आपदा हो या कोरोना महामारी, भारत और मॉरीशस हमेशा एक–दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। हम रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और अंतरिक्ष सहित हर क्षेत्र में एक साथ आगे बढ़ रहे हैं।

जांच अधिकारी के समक्ष पेश हुए अबू आजमी, बोले- मैं डरा हुआ हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। औरंगजेब के बारे में अपने विवादास्पद बयान को लेकर आज समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आज़मी पुलिस के सामने पेश हुए। पुलिस के सामने पेश होने के बाद अबू

आज़मी ने कहा कि बयान दर्ज करने की कोई जरूरत नहीं है, कोई मामला नहीं है। मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। मैंने अग्रिम जमानत ली थी। मुझे जमानत मिल गई है और मुझे 3 दिन के लिए आकर हस्ताक्षर करने होंगे। मैं डरा हुआ हूं, मैंने कुछ नहीं किया फिर भी मामला दर्ज हो गया। मुझे आतंकवादी तक कहा गया, मुझे पूरे सत्र से निलंबित कर दिया गया। इससे पहले मुंबई की एक अदालत ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को मुगल बादशाह औरंगजेब की प्रशंसा करने संबंधी टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में अग्रिम जमानत दे दी। आजमी ने अर्जी में कहा कि उनकी टिप्पणी किसी व्यक्ति विशेष का अपमान करने या धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं की गई थी, जिसके बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वी जी रघुवंशी ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली। महाराष्ट्र विधानसभा से 26 मार्च तक निलंबित आजमी को राहत देते हुए अदालत ने कुछ शर्तें लगाईं और उन्हें 20,000 रुपये का जमानत मुचलका भरने का निर्देश दिया।

बधाई संदेश

होली के शुभ अवसर पर प्रबुद्ध पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिन्तकों को समाचार पत्र परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनायें।

-सम्पादक

अवकाश

होली के शुभ अवसर पर प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 16 मार्च को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

'जोगीरा सारा रा रा रा'

जोगीरा सारा रा रा रा, जोगीरा सारा रा रा रा...

खेलें सब मिलकर चलो, होली नेता संग ।
पोतें इनके मुँह पर, पकड़–पकड़ कर रंग ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

जनता बैठी ताक में, लेकर हाथ गुलाल ।
छोड़ेंगे ना हम तुम्हे, बीते पांचों साल ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

दारू से बर्बाद अब, नोच केजरी बाल ।
जनता ने ठुकरा दिया, मुफ्त भले दो माल ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

राहुल भारत जोड़ने, घूमा पूरा देश ।
जोड़ नहीं पाये मगर, खुद की पार्टी शेष ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

मैडम राहुल से कहे, बेटा कर लो ब्याह ।
राजनीति आसाँ नहीं, बड़े कठिन हैं राह।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

अखिलेश बुआ से कहे, भूल पुरानी बात ।
दोनों मिलकर चल दिखा, योगी को औकात ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

एक हाथ में ले हरा, दूजे भगवा रंग ।
चालू बड़े नितीश हैं, दोनों रखते संग ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

सुलग रही है आग ये, बाहर से है मेल ।
नितीश सँग है भाजपा, जोड़ी यह बेमेल ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

आना जाना है लगा, लालू जी का जेल ।
देखो महँगा पड़ गया, चारा वाला खेल ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

लालू बाहर जेल से, खेला को तैयार ।
लालू बूढ़ा शेर है, पैनी उसकी धार ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

ममता बन कर शेरनी, घूम रही बंगाल ।
इनके आगे फेल है, बड़े–बड़ों की चाल ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

ममता दी ललकारती, ले पिचकारी हाथ ।
निकले भगवा रंग ले, मोदी–योगी साथ ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

महँगाई की मार से, जनता है बेहाल ।
हरदम रटते हैं सदा, बीते सत्तर साल।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

बात नहीं समझे कभी, चमचे और गुलाम ।
अंधभक्त की जात को, सिर्फ बचाये राम ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

जो भी हों सरकार में, उससे करें सवाल ।
कलम नहीं रुक पायगी, चाहे करो बवाल ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

ऐसे ही हँसते रहें, खेले रंग अबीर ।
दूर होय संकट सभी, धरलो प्यारे धीर ।।
जोगीरा सारा रा रा रा.....

विनय कुमार बुद्ध

सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तेजी से क्षमता बढ़ाने की जरूरत : वायु सेना प्रमुख

नयी दिल्ली, एजेंसी। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने बदलते भू–रणनीतिक परिदृश्य में उभरती सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तेजी से क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया है। वायु सेना ने एक बयान में बुधवार को कहा कि एयर चीफ मार्शल रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन में स्थायी संकाय के साथ 80वें स्टाफ कोर्स में भाग ले रहे भारतीय सशस्त्र बलों के छात्र अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह कोर्स अधिकारियों से

बदलाव को अपनाने, उभरते खतरों का गंभीरता से आकलन करने और भविष्य के संघर्षों के लिए अनुकूल रणनीति तैयार करने का आग्रह किया। संयुक्त कौशल के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने युद्ध प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए तीनो सेनाओं के बीच एकीकृत प्रशिक्षण और परिचालन तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने ने भारतीय वायु सेना की क्षमता विकास पहलों और आधुनिक युद्ध में एकीकृत संचालन के महत्व पर एक रणनीतिक दृष्टिकोण प्रदान किया। उन्होंने भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा में वायुसेना कर्मियों की उपलब्धियों, लचीलेपन और अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। अपनी यात्रा के दौरान वायु सेना प्रमुख को प्रशिक्षण गतिविधियों और सशस्त्र बलों के बीच संयुक्त कौशल को बढ़ावा देने पर इसके महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई, जो आधुनिक सैन्य तैयारियों का एक प्रमुख पहलू है।

संभल का उल्लेख इस्लाम से भी पहले के ग्रंथों में है, मंदिर को 1526 में नष्ट कर दिया गया था : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, संवाददाता। संभल में मस्जिद विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि संभल का उल्लेख 5,000 साल पुराने शास्त्रों में है और यह इस्लाम से पहले का है। आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि संभल में श्री हरि विष्णु मंदिर को 1526 में नष्ट कर दिया गया था। उन्होंने कहा, "संभल का उल्लेख 5,000 साल पुराने ग्रंथों में किया गया है। उनमें भगवान विष्णु के भावी अवतार का उल्लेख है। दूसरी ओर, इस्लाम का उदय केवल 1,400 साल पहले हुआ। मैं ऐसी चीज की बात कर रहा हूं जो इस्लाम से कम से कम 2,000 साल पुरानी है। मुख्यमंत्री ने कहा, इन बातों के सबूत सदियों से मौजूद हैं। याद कीजिए, 1526 में संभल में भगवान विष्णु का मंदिर तोड़ा गया था। दो साल बाद, 1528 में अयोध्या में राम मंदिर को भी तोड़ दिया गया

था।" आरएसएस से जुड़ी साप्ताहिक पत्रिका 'ऑर्गनाइजर द्वारा लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम मंथनरू कुंभ और उसके आगे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि दोनों कृत्य एक ही व्यक्ति द्वारा किए गए थे। आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया में हर धर्म और पूजा पद्धति में कुछ अच्छे गुण होते हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि किसी की आस्था को जबरन छीनना और उनकी मान्यताओं को कुचलना अस्वीकार्य है –खासकर जब हम संभल के बारे में सच्चाई जानते हैं।ष संभल में पिछले नवंबर में अदालत के आदेश के बाद एक मस्जिद के सर्वेक्षण के कारण तनाव बना हुआ है। कुछ लोगों का दावा ध्है कि यह मस्जिद एक ध्वस्त मंदिर पर बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संभल एक ऐतिहासिक सत्य का प्रतिनिधित्व करता है, और उन्होंने हमेशा इसके बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने कहा, मैं योगी हूं। मैं हर संप्रदाय, समुदाय और पूजा पद्धति का सम्मान करता हूं। अगर आप गोरखनाथ पीठ जाएं, तो आप देखेंगे कि वहां किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं है। सभी जाति, क्षेत्र और संप्रदाय के लोग एक साथ बैठकर एक ही थाली में भोजन करते हैं। हमारे पूज्य संत, चाहे वे किसी भी धर्म से जुड़े हों, एक साथ बैठकर भोजन करते हैं और उन्हें समान सम्मान मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा, इसलिए मैं कहता हूं कि भारत की वैदिक परंपरा की भावना, जैसा कि उपनिषदों में व्यक्त किया गया है, हमारे अंदर गहराई से समाहित है। पूजा की हर पद्धति, चाहे वह सनातन धर्म से जुड़ी हो या दुनिया के किसी भी अन्य धर्म से, उसमें कुछ अंतर्निहित अच्छाइयां होती हैं, यही वजह है कि इतने सारे लोग उनका पालन करते हैं।

जब तक नहीं बनेगा श्रीकृष्ण मंदिर, नहीं करूंगा बांके बिहारी के दर्शनः रामभद्राचार्य

श्रीकृष्ण जन्म भूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने श्रीचित्रकूटतुलसी पीठाधीश्वर से की श्रीकृष्ण जन्म भूमि विवाद को लेकर वार्ता

– श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद में गवाही देने का भी दिया आश्वासन

मथुरा। श्री चित्रकूट तुलसी पीठाधीश्वर श्री रामभद्राचार्य जी महाराज ने ऐलान किया कि जब तक शाही ईदगाह मस्जिद को हटाकर मूल गर्भ गृह पर भगवान श्री कृष्ण का मंदिर नहीं बनेगा तब तक वह बांके बिहारी के दर्शन नहीं करेंगे। साथ ही श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप को यह भी भरोसा दिलाया के वह न्यायालय में अपनी गवाही देने के लिए आवश्य जाएंगे। महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के मंदिर का निर्माण अब होकर रहेगा, हमने जो नारा दिया है कि आ गए हैं अवध बिहारी अब आयेंगे कृष्ण मुरारी , ये साकार होकर रहेगा।

श्री चित्रकूट तुलसी पीठाधीश्वर रामभद्राचार्य जी इन दोनों वृंदावन स्थित सुखधाम आश्रम में राम कथा का श्रद्धालुओं को रसास्वादन करा रहे हैं। बरसाना के संत पंडित बाबा, अक्षयपात्र के संत अनंतवीरदास और राम कथा के आयोजक पीपापीठाधीश्वर बलरामबाबा के संग बुधवार को श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने श्री रामभद्राचार्य जी महाराज से मुलाकात की

और श्री कृष्ण जन्मभूमि के विवाद को लेकर गहन मंत्रणा भी की। मुलाकात की जानकारी देते हुए महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया के महाराज जी ने राम मंदिर के मुकदमे में अपनी गवाई कोर्ट में दी थी। इसमें उन्होंने वेद पुराणों का हवाला दिया और कोर्ट को यह भी बताया था कि समुद्र से कितनी योजन की दूरी पर राम मंदिर स्थित है। इसी दौरान महाराजश्री ने यह भी ऐलान किया के जब तक मथुरा में भगवान श्री कृष्ण के मूल जन्म स्थान गर्भ गृह को मुक्त कराकर वहां पर भगवान श्री कृष्ण के भव्य मंदिर निर्माण नहीं कराया जाता है। तब तक वह श्री ठाकुर बांके बिहारी जी के दर्शन नहीं करेंगे। चित्रकूटतुलसीपीठाधीश्वर के ऐलान से साधु संत समाज में उत्साह का असीम संचार होगा और श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास को मंदिर निर्माण की दिशा चलाए जा रहे आंदोलन को विषेश ऊर्जा और शक्ति मिलेगी, जो भगवान श्री कृष्ण के भव्य मंदिर निर्माण के कार्य में मील का पत्थर साबित होगी। न्यास के अध्यक्ष ने महाराजश्री को बताया कि वह श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद के पक्षकार होने के साथ–साथ ही श्री कृष्ण जन्म स्थान के मूल गर्भगृह पर विधर्मी औरंगजेब ने मंदिर को तोड़कर बने मस्जिद को हटाकर वहां एक भव्य मंदिर निर्माण की मांग को लेकर न्यायालय में मुकदमा लड़ रहे हैं। देश–विदेश में आंदोलन भी श्री कृष्ण जन्म भूमि न्यास के बैनर चला रहे हैं। देश भर में हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। अब तक छह– सात करोड़ लोगों ने हस्ताक्षर कर अपना समर्थन न्यास को दिया है। ऑस्ट्रेलिया में भी वृहद स्तर पर चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान की भी जानकारी श्री रामभद्राचार्य जी को दी। इस पर श्री रामभद्राचार्य जी न्यास के अध्यक्ष को भरोसा दिलाया कि वह एक दिन सफल होंगे और मथुरा में भगवान का मंदिर बनकर रहेगा इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर आवश्यकता पड़ी तो वह कोर्ट में भगवान श्री कृष्ण मंदिर निर्माण के लिए गवाई देने को भी जाएंगे। इससे पूर्व उन्होंने संत का दुपट्टा उड़ा कर भव्य स्वागत किया और आंदोलन की सफलता का आशीर्वाद भी लिया।

होली पर दारू पीकर वाहन चलाना पड़ सकता है महंगा, जब्त कर ली जाएगी गाड़ी, ब्रेथ एनालाइजर से होगी जांच

प्रयागराज। होली पर शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर लगाम कसने के लिए यातायात पुलिस ब्रेथ एनालाइजर से जांच करेगी। अगर कोई शराब पीकर गाड़ी चलाता हुआ पकड़ा गया तो उसके वाहनों को जब्त कर लिया जाएगा। होली पर शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर लगाम कसने के लिए यातायात पुलिस ब्रेथ एनालाइजर से जांच करेगी। अगर कोई शराब पीकर गाड़ी चलाता हुआ पकड़ा गया तो उसके वाहनों को जब्त कर

लिया जाएगा। यातायात प्रभारी अमित कुमार ने बताया, शराब पीकर वाहन चलाने वालों के धड़पकड़ के लिए पुलिस ब्रेथ एनालाइजर से चेक करेगी। इसके लिए 10 टीमें लगाई जाएंगी। टीमें शहर के प्रवेश प्वाइंट के अलावा मुख्य चौराहों पर तैनात रहेंगी। होली के दिन सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों अवहेलना करने वाले वाहनों के चालान काटे जाएंगे। यातायात पुलिस अधिकारियों ने बताया, विभाग के पास करीब 100 ब्रेथ एनालाइजर हैं। कहीं भी जांच अभियान शुरू होने से करीब दो घंटे पहले पुलिस मैसेज फ्लैश करती है। इसके बाद उस जगह अभियान चलाया जाता है। आखरी बार ब्रेथ एनालाइजर से नए साल पर चेकिंग अभियान चलाया गया था। जिसमें करीब 189 वाहनों के चालान काटे गए थे।

मानव शर्मा आत्महत्या मामले में सास-ससुर की गिरफ्तारी पर रोक से इनकार, हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

प्रयागराज। आगरा के चर्चित आईटी कंपनी के मैनेजर मानव शर्मा की आत्महत्या के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मानव के सास–ससुर और सालियों की गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आगरा के आईटी कंपनी के मैनेजर मानव शर्मा की आत्महत्या मामले में सास, ससुर और सालियों की गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है। मानव शर्मा की आत्महत्या का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की अदालत ने यह फैसला सुनाया। आगरा में डिफेंस कॉलोनी, सदर निवासी मानव शर्मा ने 24 फरवरी की सुबह खुदकुशी की थी। 30 जनवरी 2024 को उनकी शादी बरहन निवासी निकिता शर्मा के साथ हुई थी। 27 फरवरी को मानव के मोबाइल में उनकी बहन आकांक्षा को एक वीडियो मिला था। यह वीडियो मानव ने खुदकुशी से पहले बनाया था। पुलिस ने वीडियो को मृत्यु पूर्व बयान मानकर केस दर्ज किया था। निकिता और उसके पिता 28 फरवरी की सुबह से फरार हैं। एसीपी सदर विनायक भोसले ने बताया कि निकिता और मानव के बीच खुदकुशी से पहले भी सुबह 4 बजे तक चौट हुई थी। मानव ने चौट में जिस मोहित नाम के युवक का जिक्र किया था। उसे पूछताछ के लिए बुलाया गया। उसने पुलिस को बताया कि निकिता से दोस्ती थी। अक्तूबर 2024 तक वह निकिता से बातचीत करता था। उसे नहीं पता था कि उसकी वजह से उसके घर में कोई विवाद हुआ है। पुलिस ने उससे यह जानने का प्रयास किया कि निकिता कहां मिलेगी। उसने साफ कहा कि उसे कोई जानकारी नहीं है।

टीसीएस मैनेजर सुसाइडः क्या झूठ थे मानव के आंसू, निकिता बेकसूर है...हाईकोर्ट पहुंचे पिता, पुलिस से मांगी रिपोर्ट

पत्नी के उत्पीड़न से तंग आकर मानव ने की थी आत्महत्या, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

प्रयागराज। पत्नी के उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या करने वाले आईटी कंपनी के मैनेजर मानव शर्मा के सास, ससुर और दो सालियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले की सुनवाई 12

मार्च को न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की अदालत में होगी। मामला आगरा के सदर बाजार थाना क्षेत्र का है। डिफेंस कॉलोनी के रहने वाले मानव शर्मा ने 24 फरवरी की सुबह घर में फांसी लगा ली थी। रोते हुए गले में फंदा डालते मानव का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। मानव ने वीडियो में आत्महत्या के लिए पत्नी निकिता शर्मा और मायके वालों को जिम्मेदार ठहराया था। 28 फरवरी को मानव के पिता नरेंद्र कुमार शर्मा ने मानव की पत्नी निकिता, उसके पिता नृपेंद्र कुमार शर्मा, मां पूनम शर्मा और उसकी दो बहनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद से सभी घर से फरार है। अब निकिता के अलावा निकिता के माता, पिता, व बहनों ने हाईकोर्ट का रूख किया है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के तर्ज पर मौत को गले लगाने से पहले मानव ने रोते हुए दर्द भरा वीडियो बनाया था, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल है। मानव शर्मा का 6.57 मिनट का श्श्आखिरी वीडियोश्श दिल दहलाने वाला है। फंदे को गले में कसकर वीडियो बनाते हुए मानव भावुक होते हुए कहते हैं– मैं तो चला जाऊंगा, मर्दों का सोचो, मर्दों के बारे में कोई तो बात करे, बेचारे बहुत अकेले हैं। इसके बाद वो फांसी पर झूल जाते हैं।

इलाहाबाद जैसी होली दुनिया में और कहीं नहीं होती

पूरा शहर ही एक रंग में रंगने के लिए तैयार

प्रयागराज। इलाहाबाद के जैसी होली कहीं नहीं होती। पूरा शहर ही एक रंग में रंग उठता है। लोकनाथ, दारागंज, मुट्ठीगंज, अतरसुइया और बांसमंडी ये सारे के सारे मोहल्ले नए सिरे से जाग उठते हैं। कपड़ा–फाड़ होली को भला कोई कैसे भूल सकता है।

इलाहाबाद के जैसी होली कहीं नहीं होती। पूरा शहर ही एक रंग में रंग उठता है। लोकनाथ, दारागंज, मुट्ठीगंज, अतरसुइया और बांसमंडी ये सारे के सारे मोहल्ले नए सिरे से जाग उठते हैं। कपड़ा–फाड़ होली को भला कोई कैसे भूल सकता है। स्टेनली रोड से फाफामऊ तक सड़कों पर महुआ चू रहा है। सड़कें भी जैसे आदमी की तरह ही लहरा रही हैं। इस बार भी होली का रंग शहर पर चढ़ चुका है। ठठेरी बाजार में पिचकारियां सक्रिय हो गई हैं। हर तरफ नाकाबंदी चल रही है। होली आई रे कन्हाई की अनुगूंज हवाओं में है।

नेतराम से सुलाकी तक गुझियों का महोत्सव चल रहा है। छतों पर पापड़ सूख रहे हैं। घरैतिन मठरी पर मठरी छाने जा रही हैं। इधर, मिश्राजी ने सुबह से ही भांग चढ़ा ली है, वो उड़े जा रहे हैं और मिश्राइन चाची से रोमांटिक हो रहे हैं। कैलाश गौतम के फागुनी गीतों को एक बार फिर शहर याद कर रहा है।

चार आंखों में बंटा, बंटकर उजाला खिल उठा

फिर गुलाबी धूप में, पीला शिवाला खिल उठा।

असली इलाहाबाद देखना हो तो निरंजन पुल पार आइए

असली इलाहाबाद देखना है तो निरंजन पुल पार आइए

इलाहाबाद में होते रहे होलियाना आयोजनों की याद आ रही है। महामूर्ख सम्मेलन और हुड़दंग आज भी मन में करवट ले रहे हैं। असली इलाहाबाद देखना हो तो निरंजन पुल पार आइए। सादिक मियां रंग और गुलाल बेच रहे हैं तो कन्हैया बाबू ईद की टोपियां बेच रहे हैं। रमजान का महीना चल रहा है, तो फागुन भी उफान पर है। एक गंगा–यमुना यहां भी साकार हो रही है। यही है हमारी संस्कृति का संगम। हमारा शहर ही उत्सवों का शहर है। अभी–अभी महाकुंभ संपन्न हुआ है। दशहरा, दिवाली हो या फिर नवरात्र के दिन, हर दिन त्योहार की गंध में भीगा होता है अपना यह शहर। इस बार तो चार दिन पहले से ही शहर में होली की शुरुआत हो चुकी है, वो दिन भी क्या अद्भुत दिन था, जब भारत के चौंपियन बनने पर पूरा लोकनाथ ही रंगों से सराबोर हो उठा था।

होली पर अपना जन्मदिन मनाती थीं महादेवी वर्मा

सच कहिए तो इलाहाबाद जनवरी से ही जब से मेला शुरू हुआ है, होली मना रहा है। एक बार की महादेवी जी के आंगन की होली याद आ रही है। महादेवीजी होली पर ही अपना जन्मदिन मनाया करती थीं। उनके घर पर ही अच्छा खासा साहित्यिक कुंभ लग जाया करता था। रंग, अबीर के बादल उड़ते थे। उस दिन भी कुछ ऐसा ही माहौल था। सुबह–सुबह अमृत राय बूटी चढ़ाकर महादेवीजी के घर आ गए थे और उनके पैरों पर साष्टांग हो गए थे और इस जिद पर आ गए थे कि वो तब तक महादेवी जी के कदमों से नहीं उठेंगे, जब तक वो खुद अपना प्रसिद्ध गीत, मैं नीर भरी दुख की बदली, गाकर सुनाने का वचन नहीं देतीं। दुनिया जानती है कि गाने की कौन कहे, महादेवीजी खुद अपनी कविता कभी यूं भी नहीं पढ़ती थीं। इधर, सब लोग अमृतजी को महादेवी जी के कदमों से खींच रहे थे और उधर अमृतजी जोर–जोर से रोकर यही कहे जा रहे थे कि आज दीदी महादेवी जी का सस्वर पाठ सुनना ही है।

होली की पुरानी यादें हुईं ताजा

आखिर महीयसी को अमृत राय के बालहठ के सामने झुकना ही पड़ा और महादेवीजी ने मैं नीर भरी दुख की बदली, गाया तो नहीं, मगर गुनगुना अवश्य दिया और यह भी बताया कि इस गीत को उन्होंने इसी तरह गुनगुनाते हुए लिखा भी था। महादेवीजी की जीवन से भरी गुनगुनाहट को सुनकर अमृत रायजी की ठंडाई का असर कुछ कम होने लगा था। महादेवीजी अमृतजी के पिता मुंशी प्रेमचंद को भावुक होकर याद किए जा रही थीं और याद कर रही थीं कि आज तो जैसे अमृत भाई में निरालाजी की आत्मा ही समा गई थी। उस दिन सबने महादेवीजी के हाथ की गुझिया भी खाई थी। उस गुझिया की मिठास आज तक मन में है। इलाहाबाद की होली इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसी दिन देश को महादेवीजी जैसी सरस्वती मिली थीं। उनकी याद में भी अनंत काल तक इस शहर में होली होती रहेगी।

चार टैंकर पानी में घुलेगा एक बोरी रंग, आठ फिट लंबी चार पिचकारियों से खेला जाएगा फगुआ

प्रयागराज। फगुआ को यादगार बनाने के लिए चार टैंकर पानी में एक बोरी रंग घोलने की योजना बनाई गई है। हर साल की तरह इस साल को भी भव्य बनाने के लिए विशेष आयोजन किए जाएंगे। आठ फिट लंबी चार पिचकारी के साथ ही रंग और गुलाल की मात्रा बढ़ाई जाएगी।

फगुआ को यादगार बनाने के लिए चार टैंकर पानी में एक बोरी रंग घोलने की योजना बनाई गई है। हर साल की तरह इस साल को भी भव्य बनाने के लिए विशेष आयोजन किए जाएंगे। आठ फिट लंबी चार पिचकारी के साथ ही रंग और गुलाल की मात्रा बढ़ाई जाएगी।

लोकनाथ में ठठेरी बाजार के तीन दिवसीय होली की तैयारी शुरू हो चुकी है। ठठेरी बाजार व्यापार मंडल समिति हर साल होलिकोत्सव के मौके पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन करती है। इस बार की होली को भव्य बनाने के लिए नगर निगम की तरफ से पांच टैंकर पानी मंगाया गया है। जिसमें एक बोरी लाल रंग घोला जाएगा। और 20 बोरी गुलाल से फगुआ मनाया जाएगा। खास बात यह कि टैंकर में घोलने के लिए केवल लाल रंग का ही प्रयोग किया जाएगा।

वहीं पांच प्लास्टिक का स्विमिंग टब रखा जाएगा। जिसमें बच्चे होली का लुत्फ उठाएंगे। आठ फिट की चार विशेष पिचकारी भी मंगाई गई है। इसको इस्तेमाल करने लिए पांच से छह लोग लगते हैं। इसमें एक बार में पांच लीटर तक रंग भरा जा सकता है। 51 साउंड बॉक्स भी मंगाए गए हैं। जिसे गली के दोनों छोर पर लगाया जाएगा। मधुर स्वर लोगों को थिरकने को मजबूर कर देगा। इसके अलावा कमेटी की तरफ से भंडारा भी कराया जाएगा। जिसमें छोला–चावल और अन्य व्यंजन की उत्तम व्यवस्था रहेगी।

समिति के अध्यक्ष चंद्रमोहन कसेरा ने बताया कि पिछले साल एक फव्वारा लगा था, लेकिन इस बार दो फव्वारा लगाए जाएंगे। 20 बोरी अबीर की व्यवस्था की गई है। जिसे मशीन के माध्यम से लोगों पर बिखेरा जाएगा। इसके बाद नाटकीय बारात निकलेगी। जिसमें कमेटी के सदस्य दूल्हा और दुल्हन का किरदार निभाएंगे। समिति के महामंत्री सौरभ केशरवानी और संयोजक रोहित कसेरा हैं।

होली को खास बनाएंगे मुखौटे और सिलिकॉन से बने घुंघराले बाल

होली के त्योहार के मद्देनजर शहर के चौक सहित कई इलाकों में सजे बाजार में रंग–गुलाल और पिचकारियों के साथ ही करीब 10 तरह के मुखौटे और सिलिकॉन से बने बाल भी खूब नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही अलग –अलग रंगों की टोपी और बड़े आकार के चश्मों की भी डिमांड खूब हो रही है। दुकानों में बच्चों के पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर और जानवरों के चेहरे की झलक दिखाते कई मुखौटे हैं। कुछ मुखौटे विग के साथ हैं और कुछ मुखौटे बिना विग के हैं। इसके अलावा सिर्फ बालों की विग के तौर भी अलग से खरीददारी की जा सकती है।

चौक के दुकानदार राहुल सोनकर और कामरान जफर ने बताया कि मुखौटे प्लास्टिक या लेटेक्स से बने हैं। इनमें स्पाइडरमैन, डोरेमोन और कृष के साथ ही शेर, भालू, बंदर, खरगोश, आदि मानव और भूत की आकृति तक के मुखौटे हैं। दुकानकार मुखौटों की कीमत 10 रुपये से लेकर 100 रुपये तक बता रहे हैं।

दुकानदारों ने कहा कि सिलिकॉन से बले बालों के विग भी अलग–अलग तरह के हैं। कुछ विग कई रंगों में हैं और कुछ पूरी तरह से काले हैं। इसके अलावा मलिंगा, मुर्गा और कर्ली स्टाइल के बालों के विग भी उपलब्ध हैं और युवा इनकी खूब डिमांड भी कर रहे है। इनकी कीमत 100 रुपये से 250 रुपये तक बताया जा रहा है। इसी तरह टोपी और चश्मे भी कई कीमत में उपलब्ध हैं। गौरतलब है कि कई बच्चे और युवा होली में रंग खेलने के दौरान इन मुखौटों और विग का खूब इस्तेमाल करते हैं। साथ ही बालों और आंखों को रंगों से बचाने के साथ ही अलग दिखने के लिए कई लोग टोपी और चश्मा भी पहनते हैं।

होली पर सावधानी: आंखों में चश्मा और शरीर पर नारियल तेल लगाकर खेलें होली, जरा सी चूक पड़ सकती है भारी

प्रयागराज। होली पर्व के दौरान रंग खेलते समय अपनी त्वचा और आंखों का विशेष ख्याल रखना चाहिए क्योंकि जरा सी चूक रंग में भंग डालने का काम कर सकती है। अगर देखा जाए तो हर साल करीब 25 फीसदी मामले त्वचा और आंखों में इन्फेक्शन के आते हैं। होली पर्व के दौरान रंग खेलते समय अपनी त्वचा और आंखों का विशेष ख्याल रखना चाहिए क्योंकि जरा सी चूक रंग में भंग डालने का काम कर सकती है। अगर देखा जाए तो हर साल करीब 25 फीसदी मामले त्वचा और आंखों में इन्फेक्शन के आते हैं। ऐसे में जहां सुरक्षित होली के लिए हर्बल रंगों का इस्तेमाल करना चाहिए, तो वहीं रंग खेलने के लिए खुद को तैयार करना भी जरूरी है। जिसके लिए कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

स्किन स्पेशलिस्ट डॉ. कावेरी सिन्हा कहती हैं कि त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए होली खेलने से पहले भरपूर पानी पीना चाहिए, ताकि शरीर में नमी बनी रहे। साथ ही बाहर जाने से पहले नारियल तेल या बॉडी लोशन अच्छी तरह से लगाएं, लेकिन मॉइस्चराइजिंग क्रीम का ही उपयोग करें, न कि मॉइस्चराइजिंग लोशन का। होली खेलते समय दूसरों पर जबरदस्ती रगड़कर रंग न लगाएं और उनकी आंखों व मुंह की सुरक्षा का ध्यान रखें। अगर गलती से रंग आंखों में चला जाए, तो यह गंभीर परेशानी का कारण बन सकता है।

ऐसे में रासायनिक रंगों और डाई का उपयोग न करके हर्बल या प्राकृतिक रंगों का उपयोग करना चाहिए। गीले रंगों के बजाय अबीर और गुलाल से होली खेलें। अक्सर देखा जाता है कि होली के बाद लोग त्वचा से रंग छुड़ाने के लिए जोर–जोर से रगड़ते हैं, जिससे रैशेज और एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एवं विश्व प्रसिद्ध नेत्र सर्जन डॉ. एसपी सिंह ने बताया कि होली खेलते समय आंखों की सुरक्षा के लिए विशेष सावधानियां बरतनी चाहिए।

आखों को कैसे रखें सुरक्षित

1–आंखों के आसपास नारियल तेल या मॉइस्चराइजर लगाएं, जिससे रंगों के हानिकारक केमिकल का सीधा असर न हो।

2–यदि संभव हो तो चश्मा पहनें, ताकि रंग आंखों में न जाए।

3–पास में साफ पानी अवश्य रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत आंखों को धोया जा सके।

4–कॉन्टैक्ट लेंस पहनकर होली न खेलें, क्योंकि यह आंखों को अधिक संवेदनशील बना सकता है।

5–पक्के व केमिकल युक्त रंगों से बचें, क्योंकि इनमें मरकरी और लेड जैसे हानिकारक रसायन होते हैं, जो आंखों में जलन, लालिमा और स्थायी दृष्टि दोष का कारण बन सकते हैं।

6–अगर आंखों में रंग चला जाए तो आंखों को बिल्कुल न रगड़ें, इससे पुतली पर खरोंच आ सकती है और इंफेक्शन हो सकता है।

7–तुरंत साफ पानी से आंखों को धोएं और यह प्रक्रिया तब तक दोहराएं जब तक जलन पूरी तरह खत्म न हो जाए।

8–यदि जलन बनी रहती है तो स्वयं से कोई इलाज न करें और तुरंत किसी नेत्र रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें।

कैसे रखें त्वचा सुरक्षित

1–अत्यधिक साबुन का प्रयोग न करें

2–रंग छुड़ाने के लिए तीन बार से अधिक साबुन न लगाएं, हल्के हाथों से धोएं।

3–रंग खुद–ब–खुद दो दिन में हल्का हो जाएगा, इसलिए ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है।

4–बच्चों की कोमल त्वचा पर कपड़े धोने वाले डिटर्जेंट या हार्ड साबुन का प्रयोग न करें।

5–बर्फ से त्वचा को आराम दें

6–एक साफ सूती कपड़े में बर्फ के टुकड़े लपेटकर 10–15 मिनट तक हल्के हाथों से रगड़ें।

7–इससे त्वचा के रोमछिद्र बंद होंगे, जिससे हानिकारक रसायनों का असर कम होगा।

8–त्वचा और बालों की सुरक्षा के लिए तेल लगाएं

सुरक्षित व खुशियों से भरी होली खेलें। इसके लिए जरूरी है, अपनी आंखों के प्रति सावधान रहना। इसलिए रंग खेलने के दौरान उचित गाइड लाइन का उपयोग करें। – डॉ. एसपी सिंह, वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ, एमएलएन मेडिकल कॉलेज।

होली से पहले त्वचा पर तेल और संस्क्रीम लगाकर उसे सुरक्षित रखना चाहिए। साथ ही रंग छुड़ाने के लिए कठोर रगड़ाई से बचें और नेचुरल उपायों का उपयोग करें। त्वचा और बालों की देखभाल के लिए सही तेल, मॉइस्चराइजर और फेस पैक का प्रयोग करें। – डॉ. कावेरी सिन्हा, त्वचा रोग विशेषज्ञ।

प्रयागराज में 4092 स्थानों पर होलिका दहन, 462 पर रहेगी विशेष नजर

प्रयागराज। जिले में 4092 स्थानों पर होलिका दहन और रंगोत्सव को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। इनमें से 462 स्थलों को संवेदनशील चिह्नित किया गया है और यहां सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। जिले में 4092 स्थानों पर होलिका दहन और रंगोत्सव को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। इनमें से 462 स्थलों को संवेदनशील चिह्नित किया गया है और यहां सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस बल के साथ पीएसी तैनात करने के अलावा हर थाने में पांच सदस्यीय दो त्वरित प्रतिक्रिया बल (क्यूआरटी) भी तैयार किया गया है। पुलिस अफसरों ने बताया, होली के मद्देनजर सुरक्षा को लेकर वृहद रणनीति बनाई गई। इसके तहत तीन बिंदुओं पर परीक्षण करते हुए होलिका दहन आयोजन स्थलों को संवेदनशील व सामान्य के तौर पर चिह्नित किया गया। इनमें मिश्रित आबादी वाले स्थल, पूर्व में विवादित रहे स्थल या जहां विवाद हुआ हो और बिना किसी विवाद वाले स्थल के बिंदु शामिल हैं। इस आधार पर अलग–अलग जोन में 462 आयोजन स्थल संवेदनशील श्रेणी में रखे गए हैं। इनमें से सबसे ज्यादा 300 गंगानगर, 100 नगर और 62 यमुनानगर जोन के आयोजन स्थल हैं। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि संवेदनशील चिह्नित स्थलों पर अतिरिक्त बल की तैनाती की जा रही है। यहां 13 मार्च से ही एक एसआई व दो कांस्टेबल तैनात रहेंगे, जो रंगोत्सव की समाप्ति तक मौजूद रहेंगे। वहीं, डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया, मिश्रित आबादी वाले स्थलों पर पीएसी के जवानों को भी मुस्तैद किया जाएगा। इसके अलावा शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक थाने में दो–दो क्यूआरटी बनाई गई है। हर क्यूआरटी में पांच पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है। क्यूआरटी पर्व के दौरान क्षेत्र में लगातार भ्रमण करेगी। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि लोकनाथ चौराहे पर बड़ी संख्या में होली खेलने के लिए लोग जुटते हैं। ऐसे में कोतवाली, घंटाघर, बहादुरगंज समेत अन्य रास्तों पर बैरिकेडिंग कर पिकेट तैनात की जाएगी।

ईश्वर शरण में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

प्रयागराज। राष्ट्रीय सेवा योजना ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज द्वारा राजेंद्र छात्रावास सलोरी परिसर में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. धीरेंद्र द्विवेदी, डीन छात्र कल्याण परिषद एवं संयोजक रक्षा एवं अध्ययन विभाग तथा भूतपूर्व सदस्य माध्यमिक सेवा चयन आयोग, उत्तर प्रदेश रहे। उन्होंने स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य अपने छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है। एन एस एस एक ऐसी गतिविधि है जो इस प्रक्रिया में मदद करता है। संस्थान युवा ऊर्जा और क्षमता का उपयोग करने और अपने छात्रों में राष्ट्रीय सेवा योजना में उनकी भागीदारी के माध्यम से सामुदायिक सेवा की भावना को आत्मसात करने का प्रयास करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य युवाओं को सार्थक गतिविधियों में शामिल करना है जो अंततः उन्हें समाज के साथ कुशलता पूर्वक एकत्रित करने में मदद करता है।महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉक्टर अरविंद कुमार मिश्र ने कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास का एक अवसर प्रदान करता है हमारे स्वयंसेवक इस के थीम दिव्य, भव्य एवं डिजिटल कुंभ से जुड़े हुए सामाजिक एवं सामुदायिक सेवा के विविध

पहलुओं को अपने सात दिवसीय शिविर में जागरूकता एवं बौद्धिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के माध्यम से प्रस्तुत किया और अलग–अलग कक्षा विषय एवं संकाय से होते हुए एक साथ सहकार की भावना और सामुदायिक भावना के साथ कार्य किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर रुचि गुप्ता ने सात दिवसीय विशेष शिविर की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

समापन सत्र के पूर्व विशेष शिविर के प्रथम सत्र का प्रारंभ परिसर की साफ सफाई, डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण, प्राणायाम एवं योगाभ्यास, ऊर्जा एवं उत्साह के साथ दिन की शुरुआत की गई। तत्पश्चात छात्रों ने सात दिन की गतिविधियों की रिपोर्ट अपनी डायरी में लिखा।

इसके बाद इस सत्र में डॉक्टर एकात्म देव, असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ने छात्रों का उत्साह वर्धन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्यों पर बोलते हुए कहा कि शिक्षा के अतिरिक्त एक्स्ट्रा को–करिकुलर एक्टिविटीज से आपका सर्वांगीण विकास होता है। इस तरह की प्रक्रिया में बढ़–चढ़कर भाग लेना चाहिए। डॉक्टर एकात्म ने सरकार द्वारा संचालित बहुत सी स्कीम के बारे में बताया जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने परीक्षा के संबंध में भी छात्र–छात्राओं से बातचीत की। कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर कृष्णा सिंह ने संचालन एवं डॉक्टर शैलेश यादव ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने पोस्टर बनाकर अनेक विषयों पर जैसे शदिव्य कुम्भ– भव्य कुम्भ, गर्ल्स कैन डू एनीथिंग, बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ, नारी सशक्तिकरण, सेव एनवायरनमेंट, स्टॉप प्लास्टिक यूस, आदि मुख्य एवं ज्वलंत बिंदुओं पर पोस्टर के माध्यम से छात्र–छात्राओं ने जागरूकता का संदेश दिया जिसमें श्रद्धा, जागृति, शिप्रा यादव,साध्वी पटेल,अंजली सिंह, आर्या यादव, अंजली यादव आदि ने भाग लिया।तत्पश्चात डॉक्टर उदय सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, रक्षा अध्ययन विभाग, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ने राष्ट्रीय सेवा योजना का राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र सुरक्षा और राष्ट्र के विकास के लिए इस तरह के कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका है जो जड़ों को मजबूत करता है। हमारे पास तमाम तरह की चुनौतियां हैं जो दिन प्रतिदिन को प्रभावित करती हैं। शिक्षा हमें इससे लड़ने में मजबूती प्रदान करती है। राष्ट्रीय सेवा योजना उस समुदाय को समझने में सहायता करता है जिसमें आप रहते हैं। आप यदि इसके स्वयंसेवक, स्वयंसेविका हैं तो उस समुदाय की जरूरत और समस्याओं को पहचाने और उनको हल करने में शामिल हों जिसमें आप रहते हैं।द्वितीय सत्र में समापन समारोह के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अनेक प्रतिभाशाली प्रतिभाओं ने अपनी–अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नृत्य, सोलो डांस, कविता, नाटक, स्पीच, सॉन्ग, ग्रुप डांस आदि प्रोग्राम्स का प्रस्तुतीकरण किया गया और छात्रों ने सात दिन के अपने अपने अनुभव साझा किये। जागृति गुप्ता, अंबिका वर्मा, केतन मोदनवाल, शौर्य, विपिन, संजना, मनीष, अखिलेश, रिया, विश्वेंद्र आदि ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया।

अंत में राष्ट्रगान से सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ।

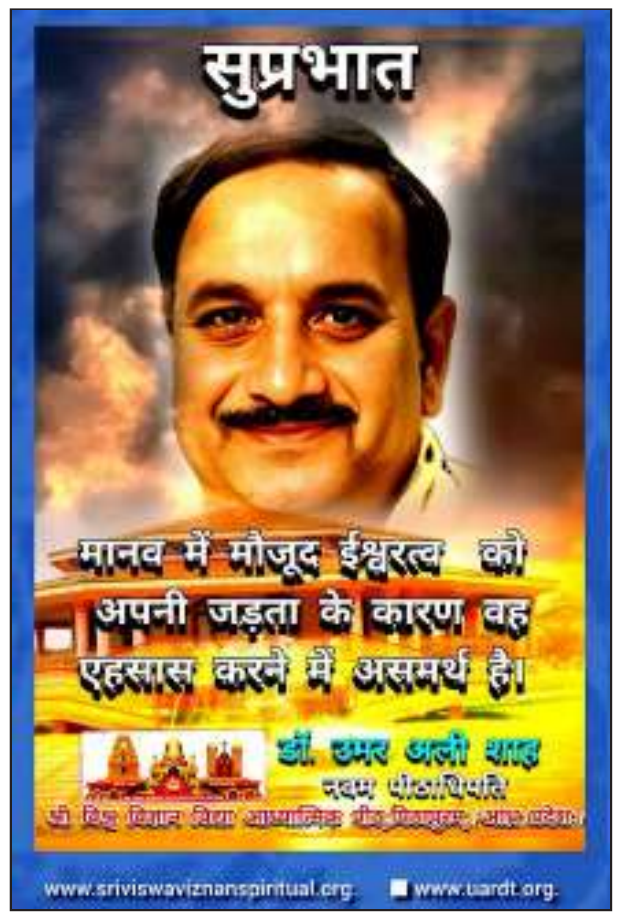

रंगों का त्योहार

(कुण्डलिया)

पतझर बीते पल हुए, शेष बचा उल्लास।
मौसम यह रंगीन है,करो हँसी परिहास।
करो हँसी परिहास, चढ़ाओ शंकर गोला।
रँगो गुलाबी गाल,बनो मत भाया भोला।
सुन लो कहें प्रदीप, देख यह मौसम मनहर।
पत्नी सुख–संसार,नहीं कह उसको पतझर।।

रंगो के त्योहार का, है अद्भुत संसार।
दिल को देती ताजगी, जोड़ बन्धु परिवार।
जोड़ बन्धु परिवार,रखे रिश्तों की गरिमा।
पा साली का साथ,गा रहा पत्नी महिमा।
सुन लो कहें प्रदीप, उधम अब खूब मचाओ।
लेकिन रखना ध्यान, ढंग से सबको रंगो।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

भयहरण नाथ धाम के होली उत्सव में एस डी एम सदर होंगे मुख्य अतिथि

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में 16 मार्च को होने वाले परम्परागत होली उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में उप जिलाधिकारी सदर शैलेंद्र वर्मा होंगे। अध्यक्षता तहसीलदार सदर सुप्रिया चतुर्वेदी करेंगी। नगर पंचायत अध्यक्ष

अशोक कुमार मुन्ना यादव, थानाध्यक्ष जेठवारा धर्मेंद्र सिंह तथा एल आई यू प्रभारी निरीक्षक अतुल्य पांडेय विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे। यह जानकारी देते हुए भयहरण नाथ धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया की १६ मार्च को दोपहर २ बजे से फूलों की होली का आयोजित होगी। काव्य गोष्ठी व फगुवा गायन का सुरुचिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित होगा।

जिले में 211334 परिवारों को मिल रहा है सब्सिडी पर एलपीजी सिलेंडर

मथुरा। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना कार्यक्रम के अन्तर्गत उज्ज्वला लाभार्थियों को निशुल्क सिलेंडर वितरण रिफिल की सब्सिडी अन्तरण का शुभारम्भ किया गया। लखनऊ के लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी व अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ जिले के अधिकारी ने देखा। जनप्रतिनिधियों द्वारा जनपद के 10 लाभार्थियों को निशुल्क एलपीजी सिलेंडर की राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी के चौक प्रदान किए गए। जिसमें, सोनिया, तबस्सुम, साधना, वंशिका, कामिनी, अनुराधा, बबीता, शबाना, गीता और शबनम को चौक दिए गए। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने निर्देश दिये कि उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों का शीघ्रताशीघ्र जिनके बैंक खाते आधार लिंक होगे तथा जिनके आधार प्रमाणित होगे वही उक्त योजना हेतु पात्र होंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि समस्त एलपीजी वितरक अपने यहां उक्त योजना के सम्बन्ध मे फ्लेक्सी बोर्ड लगवाएं तथा लाभार्थियों को उनका आधार प्रमाणन कराए जाने के संबंध में टेलीफोन, हॉकर्स, मोबाइल एसएमएस प्रेषित कराए। यह कार्यक्रम विधायक बलदेव पूरन प्रकाश, विधायक मांट राजेश चौधरी, सदस्य विधान परिषद ओमप्रकाश सिंह, सदस्य विधान परिषद योगेश नौहवार, नगर निगम मथुरा वृन्दावन के महापौर विनोद अग्रवाल, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) राजेश कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी सतीश कुमार मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा, नोडल अधिकारी (एलपीजी) सुमित कसाना तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों ने देखा।

डीसीपी ने अमीनाबाद सराफा बाजार का निरीक्षण

लखनऊ, संवाददाता। होली के त्योहार को देखते हुए डीसीपी मध्य रवीना त्यागी ने अपनी पूरी टीम के साथ अमीनाबाद सर्राफा मार्केट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान व्यापारी नेता एवं लखनऊ सर्राफा एसोसिएशन के संगठन मंत्री विशाल निगम ने समस्त अमीनाबाद के सर्राफा एवं बर्तन व्यापारियों की ओर से उनका अभिनंदन एवं स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान डीसीपी रवीना त्यागी ने व्यापारियों को होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और व्यापारिक क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और यातायात को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने एडीसीपी मनीषा सिंह, एसीपी कैसरबाग रत्नेश एवं अमीनाबाद प्रभारी निरीक्षक सुनील आजाद को विशेष रूप से सुरक्षा एवं यातायात की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर व्यापारी नेता एवं संगठन मंत्री विशाल निगम ने अमीनाबाद के समस्त व्यापारियों की ओर से डीसीपी रवीना त्यागी, एडीसीपी मनीषा सिंह, एसीपी रत्नेश, प्रभारी निरीक्षक सुनील आजाद एवं उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंक मित्रों को किया गया सम्मानित

–बड़ौदा यूपी बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय में बैंक मित्रों के कार्यों की समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

प्रतापगढ़। बड़ौदा यूपी बैंक क्षेत्रीय कार्यालय में बुधवार को राइनेट कंपनी द्वारा बैंक मित्रों के कार्यों की समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बैंक मित्रों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय प्रबंधक एल के बुनकर, उपक्षेत्रीय प्रबंधक केयस भास्कर, वित्तीय समावेशन प्रबंधक दिव्यांशू श्रीवास्तव व राइनेट के क्लस्टर मैनेजर रजनीश श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसके बाद मुख्य अतिथि एल के बुनकर ने सभी बैंक मित्रों को बैंक के कार्यों में होने वाले परिवर्तन, टेक्नोलॉजी के साथ–साथ विभिन्न कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान किया। अन्य अतिथियों ने बैंक मित्रों को बेहतरीन कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। एफआई मैनेजर दिव्यांशू श्रीवास्तव ने बैंक मित्रों से भारत

सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना में ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभान्वित कराए जाने की बात कही ।ध तत्पश्चात अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, नया खाता खोलने व अन्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंक मित्र राहुल सरोज, शेर मोहम्मद, मनजीत मौर्य, अर्जुन यादव, अवनीश कुमार, सुशील कुमार, लवलेश सिंह, शिव मोहन यादव, रवि वर्मा, विकास कुमार सहित अन्य बैंक मित्रों को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राइनेट के क्लस्टर मैनेजर रजनीश श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर क्षेत्रीय कार्यालय से बीसी सुपरवाइजर समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

हम बनायेंगे यूपी को अपराध मुक्त प्रदेश: एसएचओ आन्नददेव मिश्र

मुजफ्फरनगर। तहसील कोतवाली बुढाना (जनपद मुजफ्फरनगर) मे श्री विष्णु जी (होली) के पावन पर्व पर आज वरिष्ठ पत्रकार डी पी सिंह बैसला ने कोतवाली प्रभारी बुढ़ाना आनंददेव मिश्र से मुलाकात की ।ेभ्द आनंद देव मिश्र ने होली व विष्णु जी के इस पावन त्यौहार पर प्रकाश डालते हुए कहा यह विशव के सनातनियों आर्यों का वैष्णवजन का पवित्र त्यौहार है ।आपने कहा प्रत्येक जीव की अपनी मूल प्रकृति होती है जो

जीव जन्म से लेकर चलता है श कर्म की गति बड़ी गहन है जो कभी सीधे जानने में नहीं आती है श आज के दिन श्री हरि विष्णु जी ने भक्त प्रहलाद की रक्षा करके उसे होलिका से बचाया था श हम श्री हरि विष्णु के शौर्य पराक्रम का आदर करते है। हम पुलिस अधिकारी पूरी कर्तव्य एवं निष्ठा के साथ अपने क्षेत्र में अपराध को रोकने में अपनी जान की बाजी लगा देते हैं ।आज परमेश्वर की कृपा से थाना कोतवाली बुढ़ाना मुजफ्फरनगर का उत्तर प्रदेश में नाम है। मेरे साथ पुलिस उपाधीक्षक बुढ़ाना गजेंद्रपाल जी कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करते हैं। हमारे जिला लेवल के वरिष्ठ अधिकारी हमारे साथ सामजस्य बनाये रखते है। प्रशासनिक दृष्टि से हमारे तहसीलदार साहब महेंद्रसिंह यादव एवं एस डी एम बुढाना राजकुमार जी भी हमें पूर्ण सहयोग देते हैं हम चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश अपराध मुक्त हो यदि कोई असमाजिक तत्व गैर कानूनी कार्य करता है तो उसके लिए पुलिस सजग है उसे पुलिस नही छोडेगी आज उत्तर प्रदेश में पुलिस ने नई कीर्तिमान स्थापित किये है पुलिस आपके सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहती है । हमारे उत्तर प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जो अपराध मुक्त प्रदेश का सपना देखा है उसे हमारी पुलिस पूरा करेगी । कोई अपराधी कितना भी ताकतवर हो वह पुलिस के हाथ से नहीं बच सकता हम चौबीस घंटे पब्लिक की सेवा में रहते हैं । हम मिडिया का समाज का, जन साधारण का गणमान्य जनप्रतिनियो का पूरा सम्मान करते है।

डॉ. वरदा शुक्ला की पुस्तक का विमोचन

लखनऊ, संवाददाता। डॉ. वरदा शुक्ला की पुस्तक ये वह शब्द नहीं का परिचय और चर्चा समारोह हुआ। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आयोजन प्रसिद्ध यूरोलॉजिस्ट डॉ. मनमीत सिंह ने किया, जबकि अध्यक्षता डॉ. शिवांकन बाजपेई ने की। पुस्तक ये वह शब्द नहीं नारी जीवन के उन पहलुओं को उजागर करती है, जिन्हें समाज अक्सर अनदेखा कर देता है। डॉ. वरदा शुक्ला ने अपने चिकित्सकीय अनुभवों और सामाजिक दृष्टिकोण को बारीकी से इस पुस्तक में पिरोया है। यह पुस्तक समाज की सोच और नारी के संघर्ष को बेबाक तरीके

से सामने लाती है। डॉ. शुक्ला ने इस अवसर पर बताया कि हर इंसान का एक कार्यक्षेत्र होता है, लेकिन हर किसी की एक अलग हॉबी भी होती है, जो उसे सुकून देती है। मैंने अपने आसपास की परिस्थितियों को देखा और उन्हें शब्दों में ढालने की कोशिश की, यही कारण था कि मैंने यह पुस्तक लिखी। कार्यक्रम में डॉ. रजनी तिवारी ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि डॉ. वरदा शुक्ला ने अपनी किताब में जो अनुभव साझा किए हैं, वे न केवल एक चिकित्सक के रूप में, बल्कि एक बेहतरीन लेखिका के रूप में भी प्रभावी हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. वरदा को महिलाओं के स्वास्थ्य और उनकी समस्याओं के बारे में गहरी समझ है, चाहे वह ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं हों या शहरी क्षेत्र की। इस दौरान पंकज प्रसून ने भी पुस्तक की प्रशंसा की और कहा कि जितनी सराहना की जाए उतना कम है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को अपनी कविता के माध्यम से सम्मानित किया, जिसमें उन्होंने लड़कियों और लड़कों के समान अधिकार की बात की। कार्यक्रम में डॉ. मंजू शुक्ला, डॉ. प्रीति कुमार, डॉ. सुनीता चंद्रा और कणक रेखा जैसे प्रसिद्ध व्यक्ति भी उपस्थित थे। इस आयोजन ने नारी सशक्तिकरण और उनके अनकहे दर्द को दिखाया गया। जो समाज के सामने लाने का महत्वपूर्ण कदम साबित किया।

होलिका दहन पर पड़ी महंगाई की मार, ऐशबाग लकड़ी मण्डी में मंदी का दौर

लखनऊ, संवाददाता। होलिका दहन के लिये लकड़ी के लिये ऐशबाग की लकड़ी मण्डी पिछले दो दिनो से पूरी तरह से सजी हुयी है। और लोग एकत्र चन्दे के हिसाब से लकड़ी की खरीदारी कर रहे है। मंहगाई के कारण हालिका का आकार भी घटता जा रहा है। पहले आठों के मेले तक जलने वाली होलिका मात्र दो दिनों में ही जल कर समाप्त हो जाती है। ऐशबाग की मण्डी के लकड़ी व्यापारी राम सिंह के अनुसार वह पिछले अठारह साल से केवल होलिका दहन के लिये ही लकड़ी जिसे आम भाषा में मुजंर कहा जाता है को बेचने यहॉ आते है। इस बार आम का मुंजर पांच सौ से साढ़े पांच सौ रूपये कुन्तल है जबकि पकरी और गूलर की लकड़ी भी इस बार महंगाई की वजह से तीन सौ रूपये से चार सौ रूपये कुन्तल के हिसाब से बिक रही है। वही व्यापारी राजेश ने बताया कि वैसे तो आम की ही लकड़ी से होलिका को जलाना चाहिये क्योकि यह पर्यावरण के लिये सही होती है परन्तु सस्ते के चक्कर में लोग पकरी व गूलर के साथ अन्य लकड़ियों से होलिका को जला देते है। वैसे देखा जाय तो जिसे मुजंर कहते है वह पेड़ के नीचे जड़ का ठूँठ होता है जो कई दिनों तक जलता रहता है। हरे पेड़ो की अवैध कटान के बाद यही ठूँठ होली में जलाने के लिये बेच दिया जाता है। वैसे भी होली के मौके पर काफी तादाद में हरे पेड़ यहॉ बिक जाते है। करीब एक दर्जन के आस–पास व्यापारी यहॉ केवल होली की लकड़ी बेचने के लिये आते है। दबी जुबान में व्यापारियों ने बताया कि स्थानीय पुलिस को भी हिस्सा देना पड़ता है बिना उसके यहॉ अपना माल उतार ही नहीं सकते है। हांली के दिन कोनेश्वर मंदिर चौक तथा चौपटिया से निकलने वाले होलिका जुलूस की शोभा बढ़ाने वाले गजराज इस बार भी उपस्थित नहीं हो पायेंगे। बढ़ती महगांई और पशु संबंधी नियम इसकी वजह बताई जा रही है।

मैं की नहीं हम की भावना से करना है सेवा कार्य : चेत नारायण सिंह

एएफटी बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को प्रमाण पत्र वितरित

लखनऊ, संवाददाता। कैंट स्थित आर्म्ड फोर्स ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन के रिटर्निंग ऑफिसर विजय कुमार पाण्डेय ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को प्रमाण पत्र वितरित किया। श्री पांडे ने अध्यक्ष कमल कुमार सिंह, महामंत्री गिरीश तिवारी, आर.के. एस. चौहान, मो. जफर खान, विंग कमांडर एसएन द्विवेदी, संयुक्त सचिव मनोज कुमार अवस्थी एवं धर्मराज सिंह कार्यकारिणी सदस्य राहुल पाल, रमाकांत, शिव कुमार सरोज, रवि कुमार यादव, महेंद्र कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह को उनके पदाधिकारी होने का प्रमाण पत्र सौंपा। इस अवसर पर डॉक्टर चेतनारायण सिंह ने कहा कि हमें मैं की नहीं हम की भावना से सेवा कार्य करना है और बार को प्रदेश और देश स्तर पर पहुंचाना है।

सम्पादकीय.....

सतरंगी जीत

होली से पहले ही हमारी क्रिकेट टीम ने चौंपियंस ट्रॉफी जीतकर उल्लास–उमंग का ऐसा रंग दिया कि हर भारतीय निखर उठा। होली से पहले देश में दिवाली का भी जश्न मना। देश के कोने–कोने ही नहीं, दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में खूब तिरंगे लहराये। वहां तन–मन पर तिरंगे अहसास मुखरित हुए। निरंतर जीत की लय में नजर आ रही टीम ने देश की धड़कनों को उस समय ऊंचाई दी जब फाइनल मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया। एक ऐसी जीत जिस पर हर भारतीय गर्व कर सके। यह भारतीय क्रिकेट डिप्लोमेसी की भी बड़ी जीत थी, जिसने बताया कि क्रिकेट जगत में भारत के दखल का कोई विकल्प नहीं है। इस बार चौंपियन ट्रॉफी का आयोजक पाकिस्तान था, जिसने स्टेडियम तैयार करने और अपनी धरती पर यह वैश्विक स्पर्धा आयोजित करने को जी–जान लगायी और पैसा खर्च किया। लेकिन बावजूद इसके आईसीसी में भारतीय वर्चस्व के चलते हमारी टीम ने कोई भी मैच पाकिस्तान में नहीं खेला। भारत ने सारे मैच तीसरे देश दुबई में खेले। फिर चौंपियंस ट्रॉफी भी जीत ली। पाकिस्तान के हुकमरान व क्रिकेट के कर्ता–धर्ता मन मसोस कर रह गये। बहरहाल, भारतीय टीम का दस महीनों में यह दूसरा विश्व खिताब है। भारत ने जून, 2024 को टी–20 वर्ल्ड कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। कप्तान रोहित शर्मा को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उनकी कप्तानी में देश ने दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट जीता। सही मायनों में फाइनल में उन्होंने कप्तान की पारी खेली और शानदार–धुआंधार 76 रन बनाये। निश्चित रूप से फाइनल मैच में स्पिनरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके कसे शिकंजे का ही नतीजा था कि न्यूजीलैंड को 251 पर बांध दिया गया। फिर रोहित की पारी के अलावा श्रेयस अय्यर व केएल राहुल की शानदार पारियों ने टीम को जीत के मुहाने तक पहुंचाया। ओपनर्स रोहित शर्मा और शुभमन गिल की रिकॉर्ड शतकीय साझेदारी ने टीम में जीत का जज्बा पैदा किया। दोनों धुरंधरों ने पहले विकेट के लिये 105 रन जोड़े। बहरहाल, बारह साल बाद चौंपियंस ट्रॉफी में जीता खिताब भारतीयों को उल्लास से भर गया। वहीं टीम ने चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में पच्चीस साल पहले न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार का भी बदला ले लिया। सुखद यह भी है कि हमारी टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। उससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारतीय टीम तीन बार चौंपियंस ट्रॉफी जीतकर टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीम बन गयी। यह भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिये निश्चय ही गर्व की बात है। इस टूर्नामेंट की एक खास उपलब्धि रही मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की खोज। वे शुरुआत में प्रस्तावित टीम का हिस्सा नहीं थे। लेकिन उन्होंने खुद को साबित किया और विरोधियों को उन्हें समझने में खासी दिक्कत का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की उपलब्धि यह भी है कि उसने आईसीसी इवेंट्स में पिछले 14 मैच लगातार जीते हैं। गर्व का पल यह भी है कि भारत के पास एक ही समय में टी–20 विश्व कप और चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब है। दुनिया की ऐसी अनुभवी टीम जिसमें रोहित शर्मा व विराट कोहली के पास नौ आईसीसी फाइनल खेलने का रिकॉर्ड है। बहरहाल, इस मैच में भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को इस बात को लेकर निराशा जरूर हुई होगी कि पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे विराट कोहली फाइनल मुकाबले में सिर्फ दो गेंदों का ही सामना कर पाए। लेकिन श्रेयस अय्यर व केएल राहुल ने इस कमी को पूरा किया। बहरहाल, टॉस के मामले में अनलकी रहने वाले रोहित शर्मा ने होली से पहले क्रिकेट की जीत के रंग में भारतीयों को सराबोर कर दिया। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय टीम ने अपनी जमीन पर वर्ष 2023 के वर्ल्ड कप में मिली पराजय के बाद जीत का जबरदस्त जज्बा पैदा किया। तब लगातार दस मैच जीतने के बावजूद टीम फाइनल में हार गई थी। लेकिन टीम ने वैसी गलती फिर नहीं दोहरायी। पहले 2024 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी–20 वर्ल्ड कप जीता और अब चौंपियंस ट्रॉफी। यह जीत की लय बनी रहे।

चैंपियंस ट्राफी, मैदान के बाहर की कुछ बातें

डॉ. दीपक पाचपोर

न्यूजीलैंड के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम ने यह जीत दर्ज की, जिसमें कप्तान रोहित शर्मा ने यादगार पारी खेली। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 10 महीने के अंदर दूसरे आईसीसी खिताब पर कब्जा जमाया है।

12 साल के लंबे इंतजार के बाद 9 मार्च को भारतीय क्रिकेट टीम ने चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत लिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया तीन चौंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम ने यह जीत दर्ज की, जिसमें कप्तान रोहित शर्मा ने यादगार पारी खेली। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 10 महीने के अंदर दूसरे आईसीसी खिताब पर कब्जा जमाया है। इससे पहले जून 2024 में भारत ने बारबाडोस में टी–20 विश्वकप भी जीता था। इस टूर्नामेंट में खास बात यह रही कि भारतीय टीम को कोई शिकस्त नहीं दे पाया, उसने अपना हर मैच जीता। इस तरह 2002 में सौरव गांगुली और 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चौंपियन बनने के बाद भारत ने अब रोहित शर्मा की कप्तानी में कमाल किया है। भारतीय टीम की इस शानदार जीत पर पूरे देश में जश्न का माहौल रहा, लेकिन इस पूरे टूर्नामेंट के दौरान ऐसे कई वाकये हुए, जो कड़वी यादें छोड़ गए। देश में एक बड़े तबके के लिए क्रिकेट धर्म की तरह बन चुका है और अब इस धर्म पर भी राजनीति होने लगी है। रविवार को ही जब दुबई के मैदान से लेकर देश में तमाम जगहों पर लोग खुशियां मना रहे थे, तब मध्यप्रदेश के महू में यह खुशी हिंसा में बदल गई। बताया जा रहा है कि कुछ युवाओं ने भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए महू में एक रैली रात को निकाली थी। यह रैली जब जामा मस्जिद क्षेत्र के पास पहुंची तो उत्तेजक नारों और तेज संगीत के बीच वहां पथराव शुरू हो गया। उस समय जामा मस्जिद के अंदर लोग तरावीह की नमाज अदा कर रहे थे। पथराव से स्थिति बेकाबू हो गई। इस बीच जामा मस्जिद के सामने खड़ी बाइकों, कारों और अन्य वाहनों में आग लगाई गई, जिससे तनाव और बढ़ गया। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात पर काबू कर लिए, और अब जांच की जा रही है कि आखिर हिंसा भड़कने की नौबत क्यों आई। हालांकि अनुमान लगाया जा सकता है कि जब मस्जिद में नमाज हो रही हो, तब बाहर किस किस्म के नारे लगे होंगे या गाने बजे होंगे, जिससे स्थिति बिगड़ गई। यह पहली बार नहीं है जब मस्जिद के सामने इस तरह का अप्रिय शोर किया गया है। दुबई में जो जीत मिली, उसमें सारे खिलाड़ियों ने धर्म, जाति या ओहदे से परे एक टीम की तरह प्रदर्शन किया है। और यह केवल क्रिकेट में नहीं होता है, सारे खेलों में इसी तरह टीम और खेल भावना के साथ ही जीत सुनिश्चित होती है। मगर देश में अब क्रिकेट में धर्म और राष्ट्रवाद का अनावश्यक घालमेल कर माहौल बिगाड़ा जा रहा है। इसी टूर्नामेंट में मोहम्मद शमी ने सेमीफाइनल मैच के दौरान पानी या जूस पीया तो उस पर भी बेवजह विवाद खड़ा हो गया। रमजान के पवित्र माह में एक मुसलमान के पानी पीने पर धर्म की दुहाइयां दी जाने लगीं। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि रमजान के दौरान ऐसी हरकत अपराध है। हालांकि बहुत से लोग शमी के समर्थन में आए, इनमें से एक जाने–माने गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने कहा, श्शमी साहब आप उन कट्टर मूर्खों की परवाह मत कीजिए, जिन्हें क्रिकेट मैच के दौरान मैदान पर आपके पानी पीने से परेशानी है।श वहीं अब इस मामले पर पाकिस्तान से भी प्रतिक्रिया आई है। पूर्व पाक कप्तान इंजमाम उल हक ने कहा कि खेलते हुए रोजा रखना मुश्किल है। हम लोगों का भी अपना अनुभव है। रोजे के दौरान मैच होता था तो वाटर ब्रेक के दौरान पाकिस्तान की टीम स्क्रीन के पीछे चली जाती थी। वहीं पानी पी लेते थे। इसी तरह पूर्व पाक क्रिकेटर सकलैन मुश्ताकध ने कहा, श्मुझे समझ में नहीं आता है कि इन चीजों पर क्यों ध्यान देते हैं। हमें इस पर ध यान देना चाहिए कि अच्छे इंसान बनें और सकारात्मक चीजों को लेकर आगे बढ़ें। हम आजकल सोशल मीडिया पर ऐसी बातों पर बहस कर रहे हैं, जिनसे रत्ती भर भी फायदा नहीं है। न केवल पाकिस्तान में बल्कि इंडिया के साइड में भी ऐसी चीजें बढ़ रही हैं। वैसे मोहम्मद शमी को लेकर अनावश्यक विवाद पहले भी खड़े करने की कोशिश की गई है, उसका कारण यही है कि वे एक मुसलमान हैं। पहले भी भारतीय टीम में मुस्लिम खिलाड़ी होते थे, लेकिन तब बातों का बतंगड़ बनाने के लिए सोशल मीडिया नहीं था, न ही दिमाग में इस कदर नफरत भरी थी। हालांकि अब भी खिलाड़ी नफरत पर मोहब्बत की इबारत लिख रहे हैं। दुबई से एक बड़ा प्यारा वीडियो सामने आया है, जिसमें विराट कोहली को बधाई देने जब मो.शमी की मां आईं तो विराट कोहली ने उनके पैर छुए, फिर साथ में तस्वीरें खिंचाई। यह बड़ी सामान्य सी बात है, लेकिन आज के दौर में ऐसे वाकए काफी खास हो चुके हैं। फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए कप्तान रोहित शर्मा को मैन ऑफ द मैच का खिताब भी मिला। उन्होंने अपने खेल और कप्तानी दोनों से काम बोलेगा, हम नहीं, वाली बात को साबित कर दिखाया है। रोहित शर्मा को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, क्योंकि कांग्रेस नेता और प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने उनके मोटापे पर टिप्पणी की थी। इसे निजी विचार बताकर कांग्रेस ने किनारा किया था और खुद शमा मोहम्मद ने भी अपने ट्वीट डिलीट कर लिए थे, उनका यह कहना था कि वे केवल सेहत की बात कर रही हैं और किसी का अपमान करने का इरादा उनका नहीं था। इस मुद्दे को भाजपा ने स्वाभाविक तौर पर लपका और कांग्रेस से जवाब मांगे, राजनीति में ऐसा ही होता है।

एकता का स्वांग, बंटवारे की भाषा!

राजेंद्र शर्मा

भाषा के प्रश्न पर और खासतौर पर क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे पर, दक्षिण भारत एक बार फिर गर्म हो रहा है। इसका उबाल तमिलनाडु में खासतौर पर ज्यादा है, जहां पहले भी 1960–70 के दशकों में, भाषायी प्रश्न पर उग्र विरोध सामने आया था। बहरहाल, कम से कम इस बार भाषा विवाद का जोर पकड़ना इस अर्थ में अनावश्यक था कि यह विवाद केवल केंद्र सरकार के इकतरफा कदमों और इकतरफा फैसलों पर प्रतिक्रिया के रूप में भड़का है। यह कोई संयोग ही नहीं है कि साठ–सत्तर के दशकों को पीछे छोड़कर देश अगर बाद के दशकों में भाषायी अशांति से बहुत दूर निकल आया था, तो इसमें भाषायी विवाद में सामने आयी संवेदनाओं के प्रति, बाद में आयी केंद्र सरकारों के संवेदनशीलता प्रदर्शित करने का भी हाथ था। लेकिन, मोदी राज में इस तरह की संवेदनशीलता की जगह, मराठी की संज्ञा का उपयोग करें तो केंद्र और सत्ताध ारी ताकतों की ठोकशाही ने ले ली है। इसका नतीजा साठ–सत्तर के भाषायी विवाद के साए फिर से सिर पर मंडरा रहे होने के रूप में सामने है। जैसाकि सभी जानते हैं, विवाद के वर्तमान चक्र की शुरूआत केंद्र सरकार द्वारा इकतरफा तरीके से तमिलनाडु के शिक्षा से संबंधित फंड रोके जाने के साथ हुई थी। इस सिलसिले को चलते करीब दो साल हो जाने और राज्य का इस तरह रोका गया फंड दो हजार रुपए से ऊपर निकल जाने के बाद, अब तक शिष्टड्ढता से इस मुद्दे को उठाती रही तमिलनाडु सरकार को, विरोध ा का अपना स्वर ऊंचा करना पड़ा। लेकिन, मोदी सरकार को इस तरह के किसी विरोध की सुनवाई करना तो दूर रहा, विरोध ा की ऐसी आवाज को बर्दाश्त करना भी मंजूर नहीं होता है। राज्य के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है, कहने की रस्म–अदायगी के फौरन बाद, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने फंड रोके जाने के लिए तमिलनाडु को ही यह कहकर दोषी ठहराना शुरू कर दिया कि समस्या उसके ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को लागू न करने में है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो, फंड खुद ब खुद आ जाएंगे! कहने की जरूरत नहीं है कि यह केंद्र के हाथों से निकलने वाले, केंद्रीय कार्यक्रमों के फंड को, राज्यों पर नीतिगत मामलों में बड़ी नंगई से केंद्र सरकार की मनमर्जी थोपे जाने का औजार बनाए जाने का ही मामला है। यह देश की संघीय व्यवस्था के खिलाफ है, जिसकी इजाजत देश का संविधान नहीं देता है। कोई भी स्वाभिमानी राज्य, केंद्र के इस तरह मनमर्जी थोपने का विरोध करेगा। और शिक्षा जैसे मामलों में, जो संविधान की समवर्ती सूची में आने के बावजूद, मुख्यतरू राज्य के अधिकार का विषय बना हुआ है, केंद्र की ऐसी मनमानी तो हर्गिज स्वीकार नहीं की जा सकती है। लेकिन, मोदी राज में तो केंद्र के इस तरह की मनमर्जी चलाने को ही सामान्य बनाने की कोशिश की जा रही है। कथित राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 शुरू से आखिर तक, ऐसी मनमानी का ही उदाहरण है। संघ–भाजपा के विशेष एजेंडे और हिंदुत्व–कारपोरेट गठजोड़ को आगे बढ़ाने के स्पष्टड्ढ उद्देश्य के साथ, इस शिक्षा नीति को सूत्रबद्घ करने की कई साल लंबी कसरत से, राज्यों को बाहर ही रखा गया था, जो अन्य चीजों के अलावा इस कसरत का इस देश की समृद्घ विविधता से विमुख बने रहना ही सुनिश्चित करता था। दूसरी ओर, संबंधित कमेटी में शुरू से ही कारपोरेट नजरिए का बोलबाला सुनिश्चित किया गया था। इस तरह सरासर गैर–प्रतिनिधि तरीके से, संघ–कारपोरेट गठजोड़ के आग्रहों को आगे ले जाने का पूरा बंदोबस्त करने और छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों आदि, शिक्षा में सबसे ज्यादा हित–रखने वाले सभी तबकों की आवाजों को बाहर रखने के बाद, एक दक्षिणपंथी विचारधारात्मक आग्रहों से लदा मसौदा तैयार करने के बाद, रस्मअदायगी के तौर पर लोगों की राय लेने के लिए रखा जरूर गया, लेकिन जैसाकि पहले से अनुमान लगाया जा सकता था, विभिन्न हितधारकों की रायों को और तमाम आलोचनात्मक रायों को, सिरे से अनसुना कर दिया गया। इसके ऊपर से, 1968 तथा 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों के विपरीत, इस शिक्षा नीति को सीधे केंद्र द्वारा इकतरफा तरीके से देश पर थोप दिया गया। इस नीति पर न सिर्फ राज्यों की कोई राय नहीं ली गयी, राज्यों को साथ लेकर चलना तो उसकी दृष्टि में भी नहीं था। उल्टे केंद्र ने पूरे देश की ओर से नीति बनाने का अधिकार खुद ब खुद अपने को दे दिया था। इसके ऊपर से, संसद को भी इस प्रक्रिया में कोई भूमिका नहीं दी गयी और इस तरह वृहत्तर राजनीतिक राय को इस समूची प्रक्रिया से दूर ही रखा गया। केंद्र सरकार ने ही कमेटी का गठन किया और उसी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपनी मंजूरी से, देश पर थोप भी दिया। हैरानी की बात नहीं है कि गैर–भाजपायी राज्यों में इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक पहलुओं को विभिन्न स्तरों पर उपेक्षा, असहयोग से लेकर प्रतिरोध तक का सामना करना पड़ रहा है। तमिलनाडु में यह विरोध सबसे बढ़कर, त्रिभाषा फार्मूले के लागू किए जाने के नाम पर, हिंदी के थोपे जाने के विरोध के रूप में सामने आया है। बेशक, इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा पर, खासतौर पर प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर जोर दिए जाने की बात कही गयी है। लेकिन, इसके साथ ही इसमें छोटे बच्चों के बीच बहुभाषिकता को पोसने पर भी काफी जोर दिया गया है, जिसकी शिक्षा–विज्ञानी वैज्ञानिकता पर सवाल उठ सकते हैं। बहरहाल, इसमें भी विशेष रूप से समस्यापूर्ण है, त्रिभाषा फार्मूले के नाम पर तमिलनाडु में तमिल और अंग्रेजी के अलावा, हिंदी थोपने का आग्रह। वैसे तो मोदी सरकार जब से सत्ता में आयी है, केंद्र द्वारा हिंदी थोपे जाने की शिकायतें उठती ही रही हैं। बहरहाल, त्रिभाषा फार्मूले के लागू किए जाने के केंद्र के फरमान और इस फरमान को थोपने के लिए शिक्षा के लिए राज्य के फंड तक रोकने की उसकी दादागीरी ने, चीजों का विस्फोटक बिंदु तक पहुंचा दिया है। बेशक, त्रिभाषा फार्मूला जिसका तमिलनाडु प्रतिरोध कर रहा है, 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति की ही खोज नहीं है। तीन भाषाओं पर आधारित फार्मूला पहले से शिक्षा नीति का हिस्सा रहा था। लेकिन, एक तो उसे इस तरह अनिच्छुक राज्यों पर थोपने की कोशिश पहले नहीं की गयी थी। इसके ऊपर से, 2020 की शिक्षा नीति में त्रिभाषा फार्मूले में भी तरह–तरह के बदलाव कर दिए गए हैं, जो इस फार्मूले के जरिए वास्तव में किसी बड़े पैमाने पर तथा सही मायने में बहुभाषिकता सुनिश्चित करने के बजाय, इसे किसी न किसी प्रकार से गैर–हिंदीभाषी राज्यों पर हिंदी लादे का जाने ही फार्मूला बना देता है। यह किसी से छुपा हुआ नहीं है कि किस तरह संस्कृत की पढ़ाई की ओट लेकर, त्रिभाषा फार्मूले में विश्वास के पाखंड के बावजूद, हिंदी भाषी क्षेत्र के अधिकांश हिस्से को अन्य कोई आधुनिक भारतीय भाषा सीखने से दूर रखा जाता रहा है। हैरानी की बात नहीं है कि पिछले ही दिनों आया एक अध्ययन यह दिखाता है कि हिंदीभाषी क्षेत्र 90 फीसदी एकल–भाषी है और सबसे कम बहुभाषिक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस असंतुलन को और बढ़ाने ही जा रही है। नयी नीति में इसी छल को विदेशी भाषाओं की पढ़ाई का प्रावधान जोड़ने के जरिए और आगे बढ़ाया गया है। वास्तव में मातृभाषा में शिक्षा के पहलू से भी आरंभिक शिक्षा को आज बढ़ती चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। आल इंडिया स्कूल एजूकेशन सर्वे के आठवें चक्र से, जो एनसीईआरटी द्वारा किया गया भाषायी माध्यम पर आखिरी अखिल भारतीय सर्वे है, पता चलता है कि वास्तव में मातृभाषा में पढ़ाने वाले स्कूलों का अनुपात घटने के बजाय बढ़ ही रहा है। आठवें सर्वे के समय 86.62 फीसदी स्कूल मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा दे रहे थे, जबकि सातवें सर्वे के समय यही अनुपात 92.07 फीसदी था। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र, दोनों में यह हिस्सा घट रहा था। इससे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्राथमिकताओं का ही पता चलता है कि यह नीति तमिलनाडु से त्रिभाषा फार्मूला लागू कराने के लिए झगड़ रही है, न कि मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा के अनुपात में गिरावट के खिलाफ कोई अभियान चला रही है, क्योंकि यह गिरावट तो शिक्षा के उस बढ़ते निजीकरण तथा व्यापारीकरण का ही नतीजा है, जिसे यह शिक्षा नीति बड़ी नंगई से प्रमोट करती है। हैरानी की बात नहीं है कि तमिलनाडु राज्य ने भी केंद्र की मनमानी की चुनौती को स्वीकार कर लिया है। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कह दिया है कि केंद्र कितने ही फंड रोक ले, तमिल झुकेंगे नहीं। इस तरह, जिस हिंदी के पूरे भारत को जोड़ने वाली भाषा होने का दावा किया जाता है, उसे केंद्र की रीति–नीति ने तोड़ने वाली भाषा बनाकर रख दिया है। देश को और ज्यादा एकजुट करने के दावे के साथ, ऐसे ही तोड़ने का काम जम्मू–कश्मीर से लेकर मणिपुर तक के मामले में किया गया है। एकता का झूठा मंत्रजाप करते–करते, देश को बढ़ते विभाजन के रास्ते पर धकेला जा रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट शुरू, टैरिफ को लागू होने में समय लगेगा

के रवींद्रन

तेल की कीमतें गिरकर अक्टूबर 2024 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गयी हैं और सभी संकेतों से लगता है कि गिरावट अभी खत्म नहीं हुई है। ब्रेंट पहले ही 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर चुका है क्योंकि बाजार आपूर्ति में कमी का भार महसूस कर रहा है। ओपेक़ बैरल पहले से ही अच्छी आपूर्ति वाले सिस्टम में बाढ़ ला सकते हैं, जिससे किसी भी सार्थक मूल्य सुध ार पर रोक लग सकती है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रतिबंधों और टैरिफ से प्रत्याशित आपूर्ति घाटे को अभी तक प्रशासन के उतार–चढ़ाव को देखते हुए गंभीर नहीं माना गया है। कीमतों का एशियाई उपभोक्ताओं पर पहले से ही सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सऊदी अरब ने एशिया की कीमतों में और कटौती की घोषणा की है, क्योंकि वह उत्पादक कीमतों में गिरावट के बावजूद अपने बाजार शेयरों की रक्षा करना चाहता है। विश्लेषकों ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि ओपेक़ द्वारा बैरल की क्रमिक वापसी और अमेरिकी टैरिफ के अनिश्चित प्रभावों के कारण तेल बाजार मंदी की भावनाओं से जूझ रहा है। नीति अनिश्चितता और अधिक आपूर्ति के बीच संवेदनशील संतुलन से पता चलता है कि जब तक मांग में सुधार नहीं होता या उत्पादन में कटौती नहीं की जाती, कीमतों में सुधार के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। अमेरिकी टैरिफ की शुरुआत, विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रम्प की उतार–चढ़ाव वाली टैरिफ नीतियों ने बाजार में महत्वपूर्ण अस्थिरता और निवेशक अनिश्चितता पैदा की है। अमेरिकी डॉलर कमजोर हुआ, जिससे यूरो में वित्तीय संकट के बाद से सबसे बड़ी साप्ताहिक वृद्धि हुई। यूरोप में, शेयर बाजारों में गिरावट आई, जो जर्मनी में नरम फैक्टरी डेटा और टैरिफ–संबंध ी चिंताओं से बढ़ी व्यापक आर्थिक चिंताओं को दर्शाती है। वैश्विक व्यापार तनावों ने चीन को भी प्रभावित किया है, बढ़ते व्यापार युद्ध की आशंकाओं के बीच इसके आयात में काफी गिरावट आई है, जिससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर और असर पड़ा है। रूस के उप प्रधानमंत्री की टिप्पणियों के बाद कीमतों में थोड़ी तेजी देखी गयी, जिसमें सुझाव दिया गया कि ओपेक़ तेल उत्पादन बढ़ाने के अपने फैसले को पलट सकता है। अप्रैल में अधिक तेल पंप करने की योजना के बावजूद, ब्रेंटक्रूड की कीमतें 71 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गयीं। अपने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को फिर से भरने के लिए 20 बिलियन डॉलर का तेल खरीदने के अमेरिकी इरादे ने भी कीमतों को बढ़ाया। अपने उत्पादन में वृद्धि के बाद उत्पादन में कटौती करने की कजाकिस्तान की प्रतिज्ञा ने बाजार की जटिलता को और बढ़ा दिया। लेकिन यह बरकरार नहीं रह सका क्योंकि संभावित तेल की अधिकता और अमेरिकी आर्थिक स्वास्थ्य और व्यापार शुल्कों के प्रभाव को लेकर चिंता बनी रही। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी विकास और चीनी मांग अनिश्चित हैं। 2025 की शुरुआत में चीन के तेल आयात में 5 प्रतिशत की गिरावट आयेगी। इसके बावजूद, एक छोटा चीनी भंडार कीमतों में महत्वपूर्ण गिरावट को रोक सकता है। ईरान के खिलाफ हाल ही में अमेरिकी नीतिगत उपायों के बावजूद, जिसमें उसके तेल निर्यात को रोकने की योजना भी शामिल है, ओपेक़ और गैर–ओपेक उत्पादकों से आपूर्ति में वृद्धि के कारण बाजार में गिरावट का जोखिम है। ओपेक़ ने अप्रैल से प्रतिदिन 138,000 बैरल उत्पादन वृद्धि की घोषणा की, जिससे आपूर्ति की अधिकता की चिंता बढ़ गयी।क्सिको और केनडा पर अमेरिकी टैरिफ की धमकियों और ओपेक़ द्वारा अप्रैल में उत्पादन फिर से शुरू करने की योजना की पुष्टि के कारण कीमतों में गिरावट आई है। टैरिफ, जो शुरू में प्रभावी होने वाले थे, अब स्थगित कर दिये गये हैं, जिससे कीमतों में थोड़ी तेजी आई है, लेकिन कच्चे तेल पर दबाव बना हुआ है। केनडा के जवाबी टैरिफ अभी भी लागू हैं और चीन अगले सप्ताह जवाबी टैरिफ पर कार्रवाई करेगा। बाजार आपूर्ति में कमी का भार महसूस कर रहा है, जबकि ओपेक़ बैरल पहले से ही अच्छी आपूर्ति वाले सिस्टम में बाढ़ ला रहे हैं, जिससे किसी भी सार्थक मूल्य सुधार पर रोक लगी हुई है। ओपेक़ मांग के स्थिर रहने पर भरोसा कर रहा है, लेकिन इस समय और अधिक तेल आपूर्ति बढ़ाने से बाजार का संतुलन बिगड़ने का जोखिम है और बाजार के कंटैंगो (कोमोडिटीफ्यूचर्स का मूल्य स्पॉट मूल्य से अधिक होने की स्थिति) में पलटने का जोखिम है। टैरिफ की धमकियों ने बाजारों में हलचल मचा दी, न केवल संभावित व्यापार व्यवधानों के कारण, बल्कि ऊर्जा आपूर्ति शृंखलाओं में भी जवाबी कार्रवाई की आशंकाओं के कारण। जबकि टैरिफ में देरी ने थोड़ी राहत की सांस दी है, बाजार अभी भी नीति अनिश्चितता और अति आपूर्ति चिंताओं के बीच एक कठिन राह पर चल रहा है। ओपेक़ को अब एक उच्च–दांव संतुलन कार्य का सामना करना पड़ रहा है– सदस्य राज्यों को अधिक राजस्व की आवश्यकता है, लेकिन यदि आपूर्ति मांग से अधिक हो जाती है, तो कीमतों पर और भी अधिक दबाव आ सकता है। आने वाले हफ्तों में व्यापक आर्थिक संकेतक बाजार के लिए दिशा–निर्देशक होंगे। मुद्रास्फीति के रुझान, ब्याज दर के निर्णय और वैश्विक जीडीपी वृद्धि यह निर्धारित करेगी कि मांग मजबूत होगी या कमजोर। अभी के लिए, कच्चे तेल की स्थिति नाजुक बनी हुई है, और जब तक मांग में वृद्धि नहीं होती या ओपेक़ द्वारा उत्पादन पर लगाम नहीं लगायी जाती, कीमतों को ठोस आधार पाने में संघर्ष करना पड़ सकता है।

क्या अब किराए के घर में रहेंगे शाहरुख खान? कानूनी विवाद में फंसा मन्नत, जानिए क्या है पूरा मामला

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान का आलीशान घर मन्नत उनके फैंस के लिए एक टूरिस्ट स्पॉट बन चुका है। लोग अक्सर मन्नत के बाहर खड़े होकर तस्वीरें खिंचवाते हैं और अपने पसंदीदा सितारे को देखने के लिए इस घर के आसपास आते हैं। अब शाहरुख और उनकी पत्नी गौरी खान ने अपने घर को और भी शानदार बनाने के लिए इसे रेनोवेट करने का फैसला किया है। हालांकि, इस फैसले के बाद मन्नत कानूनी विवाद में फंस गया है। मन्नत को ग्रेड आईआईआई हेरीटेज स्ट्रक्चर की लिस्ट में शामिल किया गया है। इसका मतलब है कि शाहरुख खान को इस घर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव करने से पहले स्थानीय प्राधिकरण से इजाजत लेनी होगी। यह घर महाराष्ट्र तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण के अधीन आता है। सोशल एक्टिविस्ट संतोष दौंडकर ने एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) से मन्नत के रेनोवेशन के मामले में शिकायत की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शाहरुख खान और महाराष्ट्र तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण ने कोस्टल रेगुलेशन जोन से अनुमति लिए बिना मन्नत में रेनोवेशन किया है। संतोष दौंडकर ने एनजीटी से यह मामला उठाया और इसपर कार्रवाई की मांग की। एनजीटी ने संतोष दौंडकर से आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने को कहा है। इस मामले की अगली सुनवाई 23 अप्रैल को होगी। एनजीटी की न्यायिक सदस्य दिनेश कुमार सिंह और एक्सपर्ट मेंबर विजय कुलकर्णी की समिति ने कहा है कि अगर आरोप साबित होते हैं तो संबंधित प्राधिकरण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। समिति ने यह भी कहा कि संतोष दौंडकर को चार हफ्तों के अंदर मामले के सबूत पेश करने होंगे, अगर ऐसा नहीं हुआ तो मामला खारिज भी हो सकता है। शाहरुख खान अपने मन्नत बंगले में दो और मंजिलें जोड़ने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए वे विभिन्न इजाजतों का इंतजार कर रहे हैं, ताकि इस रेनोवेशन को सही तरीके से किया जा सके। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान अपनी फैमिली के साथ मई तक जैकी भगनानी के किराए के अपार्टमेंट में शिफ्ट हो सकते हैं, ताकि रेनोवेशन का काम आराम से किया जा सके। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि शाहरुख खान के इस बड़े रेनोवेशन प्लान में कानूनी अड़चनों का क्या असर पड़ता है और इस मामले की सुनवाई में क्या नया मोड़ आता है।

> अब शाहरुख और उनकी पत्नी गौरी खान ने अपने घर को और भी शानदार बनाने के लिए इसे रेनोवेट करने का फैसला किया है। हालांकि, इस फैसले के बाद मन्नत कानूनी विवाद में फंस गया है। मन्नत को ग्रेड आईआईआई हेरीटेज स्ट्रक्चर की लिस्ट में शामिल किया गया है।

गुरु रंधावा की फिल्म 'शौंकी सरदार' का टीजर रिलीज, एक्शन और पंजाबी ड्रामा से है भरपूर

मशहूर पंजाबी गायक और अभिनेता गुरु रंधावा की आगामी फिल्म शौंकी सरदार का टीजर जारी किया गया। इस फिल्म में गुरु पंजाबी सिनेमा के बड़े सितारों जैसे बब्बू मान, गुग्गू गिल और निमृत कौर अहलूवालिया के साथ स्क्रीन पर नजर आएंगे। टीजर में गुरु रंधावा के एक्शन सीनों को भरपूर दिखाया गया है, जो दर्शकों को काफी रोमांचित करते हैं। फिल्म के टीजर में उनकी मौजूदगी और पंजाबी अंदाज के साथ जबरदस्त एक्शन के दृश्य पेश किए गए हैं, जिसमें हाथापाई और पीछा करने जैसे दृश्य इस टीजर में चार चांद लगा देते हैं। गुरु रंधावा की फिल्म का टीजर से साफ पता चलता है कि यह फिल्म एक मसाला एंटरटेनर होने वाली है, जो दर्शकों को एक्शन, इमोशन और पंजाबी ड्रामा का शानदार मिश्रण दिखाएगी। फिल्म की कहानी में गुरु रंधावा का दमदार किरदार और उनकी स्क्रीन प्रेजेंस को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह मिला है। साथ ही, गुरु के सह–कलाकारों के साथ उनकी केमिस्ट्री और ब्रोमांस को लेकर भी दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। शौंकी सरदार का निर्देशन धीरज केदारनाथ रतन ने किया है, और फिल्म का निर्माण ईशान कपूर, शाह जंडियाली और धर्मेंदर बटौली द्वारा किया गया है। यह फिल्म 16 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के टीजर में गुरु रंधावा के एक्शन और इमोशन के बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर यह कहा जा सकता है कि यह फिल्म बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाली है। इससे पहले, गुरु रंधावा ने स्सा रे गा मा पा सिंगिंग रियलिटी शो में भी एक म्यूजिक वीडियो रिलीज करने की घोषणा की थी, जिसमें वह कंटेस्टेंट बिदिशा के साथ नजर आएंगे। गुरु ने बिदिशा के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा था कि वह उसके लिए एक गाना बनाएंगे और इसके साथ एक म्यूजिक वीडियो भी लांच करेंगे। शो में गुरु के साथ–साथ सचिन–जिगर और सचेत–परंपरा जैसे बेहतरीन म्यूजिक मेंटर भी दिखेंगे। सा रे गा मा पा के नए सीजन को दर्शकों से काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और यह शो दर्शकों के बीच रोमांच और मनोरंजन का भरपूर खजाना बन चुका है।

सना जावेद का वायरल वीडियो देख फैंस ने लगाई अटकलें, प्रेग्नेंट हैं शोएब मलिक की तीसरी पत्नी?

पाकिस्तानी एक्ट्रेस सना जावेद ने जनवरी 2024 में क्रिकेटर शोएब मलिक से शादी रचाई थी। सानिया मिर्जा से तलाक के बाद शोएब ने सना को अपनी तीसरी बीवी बनाया। वहीं, हाल ही में सना जावेद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसके बाद वह खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इस वीडियो के वायरल होते ही फैंस और मीडिया में उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा होने लगी है। दरअसल, सना जावेद हाल ही में एक पाकिस्तानी टीवी शो जीतो पाकिस्तान में शामिल हुईं, जहां एक वीडियो के दौरान उनकी प्रतिक्रिया ने लोगों को चौंका दिया। वीडियो में सना जावेद कुछ कंटेस्टेंट्स के आसपास घूमते हुए नजर आ रही हैं, जो शो में कुछ खा रहे हैं। सना इस दौरान उल्टी जैसी स्थिति में नजर आ रही हैं और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सना का ये वीडियो देख लोग अलग–अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई फैंस इस वीडियो को देखकर कयास लगा रहे हैं कि सना जावेद प्रेग्नेंट हैं और उन्हें प्रेग्नेंसी के शुरुआती दौर की परेशानियां हो रही हैं। एक शख्स ने कमेंट करते हुए लिखा, शायद सना प्रेग्नेंट हैं, क्योंकि प्रेग्नेंसी के पहले ट्राइमेस्टर में किसी भी चीज से उल्टी हो सकती है। एक और शख्स ने लिखा, क्या सना जावेद प्रेग्नेंट हैं? उनका जी खराब हो रहा है। वहीं कुछ अन्य फैंस ने लिखा कि शोएब मलिक की तीसरी बीवी प्रेग्नेंट हो गई हैं, और अब सानिया मिर्जा इस पर क्या प्रतिक्रिया देंगी। बता दें, सना जावेद पाकिस्तान की एक पॉपुलर एक्ट्रेस हैं और उन्होंने कई मशहूर पाकिस्तानी टीवी शोज में काम किया है। वह अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं और कई बड़े पाकिस्तानी स्टार्स के साथ काम कर चुकी हैं। वहीं, निजी जिंदगी में सना अक्सर विवादों में भी घिरी रहती हैं।

द कश्मीर फाइल्स के 3 साल पूरे होने पर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने द दिल्ली फाइल्स को लेकर किया इशारा

फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने 2022 में द कश्मीर फाइल्स के जरिए पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। अभिषेक अग्रवाल, पल्लवी जोशी और तेज नारायण अग्रवाल के साथ मिलकर प्रोड्यूस की गई इस फिल्म ने कश्मीरी हिंदुओं के नरसंहार की दर्दनाक सच्चाई को बड़े पर्दे पर दिखाया था। इतनी दमदार और साहसिक फिल्म लेकर आने के बाद विवेक अग्निहोत्री ने समाज पर गहरा असर डाला। इस फिल्म ने लोगों को उस दर्द से जोड़ दिया, जिससे शायद कई लोग अब तक अंजान थे। फिल्म ने दर्शकों के दिलों में गहरी भावनाएं जगाईं और एक सच्चाई को सामने लाने का साहसिक कदम उठाया। फिल्म ने न सिर्फ देशभर में बल्कि विदेशों में भी गहरी छाप छोड़ी थी। अब इसकी रिलीज को तीन साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन इसका असर आज भी वैसा ही बना हुआ है। द कश्मीर फाइल्स की तीसरी एनिवर्सरी पर डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया पर इस खास मौके को एक दमदार कैप्शन के साथ सेलिब्रेट किया। इस मौके पर उन्होंने अपने अगले प्रोजेक्ट द दिल्ली फाइल्स के लिए भी दर्शकों को तैयार किया और साथ ही कैप्शन में लिखा उन्होंने मुझे चुप कराने की कोशिश की। उन्होंने इतिहास मिटाने की कोशिश की। लेकिन द कश्मीर फाइल्स एक आंदोलन बन गई, जिसने देश को हिला दिया और कश्मीरी हिंदुओं के नरसंहार की सच्चाई को सामने लाकर रख दिया। द कश्मीर फाइल्स सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, यह एक बदलाव की शुरुआत थी, उन लोगों की आवाज थी जिनकी सुनवाई नहीं हुई, और न्याय के लिए एक मजबूत लड़ाई थी। अगर द कश्मीर फाइल्स ने आपको झकझोर दिया था, तो द दिल्ली फाइल्स आपको तोड़ कर रख देगी क्योंकि मेरा जीवन का मकसद हमारी इतिहास की सबसे काली, दबी और अनकही सच्चाइयों को सामने लाना है, चाहे वे कितनी ही असहज क्यों न हों।

आनंद एल राय और बेजॉय नंबियार की फिल्म तू या मैं में शनाया कपूर संग मुख्य भूमिका निभाएंगे आदर्श गौरव

इस साल की सबसे दिलचस्प सिनेमाई जोड़ियों में से एक, शनाया कपूर और बाफ्टा नामांकित आदर्श गौरव तू या मैं में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, यह एक हाई–ऑक्टेन अनुभव है जो प्रेम, भय और अस्तित्व की लड़ाई को बेहतरीन तरीके से जोड़ता है। तुम्बाड और हसीन दिलरुबा जैसी अनूठी फिल्मों के पीछे के प्रोडक्शन कंपनी कलर येलो के बैनर तले बनने वाली यह फिल्म आनंद एल राय और बेजॉय नाम्बियार के बीच पहली कोलैबोरेशन को चिह्नित करती है, जो दोनों ही अपने अलग और गहराई भरे कहानी कहने के अंदाज के लिए जाने जाते हैं। शैतान फेम निर्देशक बिजॉय नाम्बियार की इस फिल्म का टीजर रहस्यमयी बैकवॉटर्स में सेट है, जो रोमांस और धड़कन बढ़ाने वाले रोमांच के बीच झूलते हुए अनुभव को पेश करता है। हिमांशु शर्मा द्वारा निर्मित और अभिषेक बांदेकर द्वारा लिखित इस फिल्म की कहानी मुख्य जोड़ी की अलग–अलग सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि पर आधारित है–एक ऐसा विरोधाभास जो उनके किरदारों के भिन्न दृष्टिकोणों को दर्शाता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, बेजॉय नांबियार ने कहा, तू या मैं के साथ, हम रोमांस और अस्तित्व की सीमाओं को एक ऐसे तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं जो भावनात्मक रूप से गहरी और बेहद भयावह दोनों है। आदर्श और शनाया की केमिस्ट्री और उनकी विपरीत ऊर्जाएँ श्तू या मैंश को एक वाइल्ड राइड पर ले जाती हैं। यह एक अनूठा कैनवास है जो हमें एक निर्मम जंगल की पृष्ठभूमि के खिलाफ जटिल पात्रों का पता लगाने की अनुमति देता है। आनंद एल राय कहते हैं, कलर येलो में, हम कहानी कहने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। तू या मैं एक ऐसी फिल्म है जो अनप्रेडिक्टेबिलिटी पर टिकी है–दो अविश्वसनीय रूप से रोमांचक कलाकारों को एक ऐसी कहानी में जोड़ा गया है जो नियमों के अनुसार चलने से इनकार करते हैं। हमें ऐसे कलाकारों की जरूरत थी जो न केवल अपने किरदारों की भावनात्मक गहराई को जी सकें, बल्कि अपने अभिनय में एक सहज इंटेंसिटी भी ला सकें। आदर्श और शनाया इन भूमिकाओं के लिए एकदम उपयुक्त हैं, क्योंकि वे ऑन–स्क्रीन और ऑफ–स्क्रीन दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वैलेंटाइन्स डे 2026 को रिलीज होने वाली तू या मैं खुद को परफेक्ट डेट–नाइट थ्रिलर के रूप में पेश करती है–एक ऐसी फिल्म जो रोमांस, थ्रिल और अस्तित्व की लड़ाई को शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा करती है, जो इन सभी को एक लुभावने सिनेमाई पैकेज में समेटे हुई है। शानदार सिनेमैटोग्राफी, एक आकर्षक साउंडट्रैक और रहस्य से भरा माहौल के साथ, यह एक ऐसा नाट्य अनुभव है जिसे दर्शक मिस नहीं करना चाहेंगे। तुम्बाड, न्यूटन और रांझणा जैसी प्रशंसित फिल्मों के लिए जानी जाने वाली कलर येलो आगामी शीर्षकों के साथ रचनात्मक सीमाओं को आगे बढ़ा रही है, जिसमें आनंद एल राय की तेरे इश्क में भी शामिल है, जिसे नवंबर 2025 में रिलीज किया जाएगा।

होली पर सच्ची श्रद्धा से सुन लिया ये पाठ, तो जीवन का हर संकट दूर कर देंगे राधा–कृष्ण

होली हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह दिन राधा रानी और भगवान कृष्ण के प्रेम का प्रतीक भी माना जाता है। कहा जाता है कि इस दिन राधा–कृष्ण की पूजा करने से रिश्ते में मधुरता बनी रहती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार होली के पावन अवसर पर श्री राधा–कृष्ण अष्टकम स्तोत्र का पाठ करना अत्यंत शुभ माना जाता है। यह स्तोत्र भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की महिमा का वर्णन करता है, जिससे भक्तों को विशेष लाभ प्राप्त होते हैं।

श्री राधा कृष्ण अष्टकम

चथुर मुखाधि संस्थुथं, समास्थ स्थवथोनुथं। हलौधिधा सयुथं, नमामि रधिकधिपं :

भकाधि दैथ्य कालकं, सगोपगोपिपलकं। मनोहरसि थालकं, नमामि रधिकधिपं :

सुरेन्द्र गर्व बन्जनं, विरिञ्चि मोह बन्जनं। वृजङ्ग ननु रञ्जनं, नमामि रधिकधिपं :

मयूर पिञ्च मण्डनं, गजेन्द्र दण्ड गन्दनं। नृशंस कंस दण्डनं, नमामि रधिकधिपं :

प्रदथ विप्रदरकं, सुधमधम कारकं। सुरद्रुमपरूअरकं, नमामि रधिकधिपं :

दानन्जय जयपाहं, महा चमूक्षयवाहं। इथमहव्यधपहम्, नमामि रधिकधिपं :

मुनीन्द्र सप करणं, यदुप्रजप हरिणं। धरभरवत्हरणं, नमामि रधिकधिपं :

सुवृक्ष मूल सयिनं, मृगारि मोक्षधयिनं । श्र्वकीयधामयियिनम, नमामि रधिकधिपः

श्री राधा कृष्ण स्तोत्रः

वन्दे नवघनश्यामं पीतकौशेयवाससम् । सानन्दं सुन्दरं शुद्धं श्रीकृष्णं प्रकृतेरू परम् :

राधेशं राधिकाप्राणवल्लभं वल्लवीसुतम् । राधासेवितपादाब्जं राधावक्षस्थलस्थितम् :

राधानुगं राधिकेष्टं राधापहृतमानसम् । राधाधारं भवाधारं सर्वाधारं नमामि तम् :

राधाहृत्पद्ममध्ये च वसन्तं सन्ततं शुभम् । राधासहचरं शश्वत् राधाज्ञापरिपालकम् :

ध्यायन्ते योगिनो योगान् सिद्धारू सिद्धेश्वराश्चयम् । तं ध्यायेत् सततं शुद्धं भगवन्तं सनातनम् :

निर्लिप्तं च निरीहं च परमात्मानमीश्वरम् । नित्यं सत्यं च परमं भगवन्तं सनातनम् :

यरू सृष्टेरादिभूतं च सर्वबीजं परात्परम् । योगिनस्तं प्रपद्यन्ते भगवन्तं सनातनम् :

बीजं नानावताराणां सर्वकारणकारणम् । वेदवेद्यं वेदबीजं वेदकारणकारणम् :

योगिनस्तं प्रपद्यन्ते भगवन्तं सनातनम् । गन्धर्वेण कृतं स्तोत्रं यरू पठेत् प्रयतरू शुचिरू। इहैव जीवन्मुक्तश्च परं याति परां गतिम् :

हरिभक्तिं हरेर्दास्यं गोलोकं च निरामयम् । पार्षदप्रवरत्वं च लभते नात्र संशयः

श्री राधा–कृष्ण अष्टकम स्तोत्र के लाभ

माना जाता है कि इस स्तोत्र का पाठ करने से भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की विशेष कृपा प्राप्त होती है, जिससे जीवन के कष्ट दूर होते हैं। नियमित पाठ करने से भक्त की आध्यात्मिक उन्नति होती है और मन को शांति मिलती है। यह स्तोत्र सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, जिससे जीवन में सुख–समृद्धि आती है।

पाठ की विधि

होली खेलने से पहले सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल को स्वच्छ कर राधा–कृष्ण की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। धूप–दीप जलाकर पूजा आरंभ करें और फूल, फल, माखन–मिश्री आदि अर्पित करें। इसके बाद श्री राधा–कृष्ण अष्टकम स्तोत्र का श्रद्धापूर्वक पाठ करें।

पाठ के पश्चात श्रीकृष्ण की आरती करें और भगवान को होली के रंग अर्पित करें। अपनी मनोकामनाएं भगवान के समक्ष व्यक्त करें और प्रसाद का वितरण करें। इस प्रकार, होली के दिन श्री राधा–कृष्ण अष्टकम स्तोत्र का पाठ करने से भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है, जिससे जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आगमन होता है।

होली के रंगों से स्किन और बालों को ऐसे करें प्रोटेक्ट, स्किन डैमेज की नहीं होगी चिंता

होली के रंग जिनते ज्यादा खूबसूरत होते हैं, उतने ही ज्यादा हानिकारक भी होते हैं। क्योंकि आज के समय में रंगों में तमाम तरह के केमिकल मिलाए जाते हैं। लेकिन अगर आप होली खेलने से पहले अपनी स्किन का ध्यान नहीं रखते हैं, तो रंगों का प्रभाव आपकी स्किन, बालों, होठों और नाखूनों पर पड़ेगा। वहीं इसका असर कई–कई दिनों तक रहता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करने के बाद स्किन पर रंग नहीं चढ़ेगा। ऐसे में अगर आप भी होली के रंगों से अपनी स्किन, बालों और नाखूनों को सुरक्षित और ग्लोइंग बनी रहे। तो आपको इन टिप्स को फॉलो करना चाहिए।

पूरे शरीर पर लगाएं तेल

अगर आपको होली खेलना पसंद है, तो रंग खेलने से पहले अपने पूरे शरीर पर नारियल या फिर सरसों के तेल की परत लगाएं। तेल के इस्तेमाल के बाद आपकी स्किन पर रंग नहीं चिपकेगा। जिससे होली खेलने के बाद रंग हटाने के लिए भी ज्यादा मेहनत नहीं करनी होगी।

आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फश्वलो करने के बाद स्किन पर रंग नहीं चढ़ेगा। ऐसे में अगर आप भी होली के रंगों से अपनी स्किन, बालों और नाखूनों को सुरक्षित और ग्लोइंग बनी रहे। तो आपको इन टिप्स को फश्वलो करना चाहिए।

मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें

रंग चाहे कितने ही ऑर्गेनिक हों लेकिन वह स्किन पर हानिकारक असर डालता है। ऐसे में आपको तब खासतौर अपनी त्वचा का ध्यान रखें। जब आपकी स्किन ड्राई होती है, तो होली के रंग जल्दी चिपक सकते हैं। इसलिए रंग को स्किन पर चिपकने से बचाने के लिए गाढ़ा मॉइश्चराइजर या एलोवेरा जेल की मोटी परत लगाएं।

सनस्क्रीन है जरूरी

होली के दौरान सनस्क्रीन का इस्तेमाल गलती से भी न भूलें। वहीं रंग खेलने से पहले कम से कम 40 एसपीएफ वाला सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। इससे आपकी स्किन पर धूप और रंग का असर काफी हद तक कम होगा।

लिप बाम है जरूरी

स्किन के साथ अपने होठों की भी सेफ्टी काफी जरूरी होती है। इसके लिए होठों पर कोई गाढ़ा लिप बाम या वैसलीन लगाएं। जिससे कि होठों पर रंग न चिपक सके। वहीं ध्यान रखें कि लिप बाम एसपीएफ युक्त होना चाहिए। तभी इसका लाभ मिलेगा।

नाखूनों का कवच

जब आप होली से पहले अपने स्किन और लिप्स की सेफ्टी कर लेते हैं, तो फिर नाखूनों को ऐसे क्यों रहने दें। नाखूनों की सेफ्टी के लिए आप कोई ऐसी नेलपेंट लगाएं, तो गाढ़ी हो। वहीं अगर आप नेलपेंट का इस्तेमाल नहीं करती हैं, तो नाखूनों पर अच्छे से पेट्रोलियम जेली लगा दें। जिससे कि आपके नाखून अच्छे से कवर हो जाएं।

होली के त्योहार पर मस्ती के साथ ही चेहरे पर लगे रंग को इन घरेलू उपाय से हटाएं

होली खेलना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए हम अलग–अलग रंगों से होली खेलते है। लेकिन जब चेहरे से इन रंगों की हटाने की बारी आती है तो समझ नहीं आता कैसे हटाएं जिससे कलर आसानी से निकल जाएं। अगर आप इन घरेलू नुस्खों को ट्राई करेंगी तो रंग आसानी से हट जाएगा।

नींबू से साफ करें चेहरे का रंग

अगर आपके चेहरे पर पक्का रंग लग गया है तो इसे हटाने के लिए आप नींबू और सरसों के तेल का प्रयोग कर सकते हैं। इससे आपके चेहरे का रंग निकल जाएगा। साथ ही चेहरा पहले की तरह दिखने लगेगा।

ऐसे करें इस्तेमाल

– सबसे पहले नींबू के छिलके को आधा कप पानी में उबाल लें।

– अब इस पानी को ठंडा होने दें।

– फिर इसमें 1 चम्मच सरसों का तेल डालें। अगर आप चाहे तों इसमें टी ट्री ऑयल का यूज कर सकते हैं।

– इसके बाद एक कॉटन पैड की मदद से चेहरे पर लगाएं और चेहरे को हल्के हाथ से रब करें।

– करीब 20 मिनट करने के बाद इसे साफ पानी से चेहरा को धो लें।

– इससे आपके चेहरे का सारा रंग निकल जाएगा। त्वचा में भी निखार आएगा।

बेसन और सरसों का तेल

चेहरे पर पक्का रंग लग जाए तो इसके लिए आप बेसन और सरसों के तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे चेहरा पर लगे सारे दाग भी हट जाएंगे।

ऐसे करें इस्तेमाल

– इसके लिए पहले आपको एक कटोरी में 2 चम्मच बेसन लें।

– अब इसमें 2 चम्मच ही सरसों का तेल मिलाएं और एक पेस्ट तैयार करें।

– पैक तैयार होने के बाद इसे चेहरे पर लगाएं और ड्राई होने दें।

– जब ये सूख जाएं तो हल्के हाथों से इसे रब करें और चेहरे को साफ करें करने की कोशिश करें।

– इसको फिर साफ पानी से चेहरे का साफ कर लें।

इस होली पर बनाएं शुगर-फ्री गुजिया, डायबिटीज मरीज जमकर इसे खाएंगे, नोट करे रेसिपी

होली का त्योहार बिना पकवान के अधूरा माना जाता है। इस दिन गुजिया, मठरी और ठंडाई पी जाती है। जब बात गुजिया की आती हैं, तो मजा ही आ जाता है। लेकिन जो शुगर मरीज होते हैं उनको गुजिया का सेवन करने परहेज करते हैं, लेकिन इस होली पर आप भी घर पर ही शुगर फ्री गुजिया बनाकर त्योहार का तुत्फ उठा सकते हैं। आइए आपको बताते हैं शुगर फ्री गुजिया बनाने की रेसिपी।

गुजिया का कवर बनाने के लिए–

–गेहूं का आटा – 1 कप

– रागी (दंबीदप) आटा – ½ कप (फाइबर से भरपूर)

– देसी घी – 2 टेबलस्पून

– गुनगुना दूध – आटा गूंथने के लिए

गुजिया की स्टफिंग के लिए–

– नारियल का बूरा – ½ कप

– कटे हुए बादाम, काजू और पिस्ता – ½ कप

– खजूर (डेट्स) – ½ कप (बारीक काट लें, चीनी की जगह इस्तेमाल होगा)

– मखाने – ½ कप (भूनकर पीस लें)

– इलायची पाउडर – ½ टीस्पून

– चिया सीड्स या अलसी के बीज – 1 टेबलस्पून (ओमेगा–3 के लिए)

शुगर फ्री गुजिया बनाने की विधि

– सबसे पहले आप गेहूं औ रागी के आटे में घी डालकर अच्छे मिक्स कर लीजिए।

– इसके बाद गुनगुने दूध में गूंथ लें और 15 मिनट के लिए ढककर रख दें।

– अब स्टफिंग बनाने के लिए आप एक पैन में हल्का सा घी डालकर मखाने, नारियल और कटे हुए मेवे भून लें। खजूर के छोटे–छोटे टुकड़ों में काटकर इस मिश्रण मे मिला लीजिए।

– फिर इसमें इलायची पाउडर और चिया सीड्स डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।

– गुजिया बनाने के लिए आप आटे की छोटी लोई बनाकर बेल लें और तैयार स्टाफिंग फिल कर लें।

– अब आप गुजिया सांचे की मदद से स्टफिंग को फिल करके गुजिया बना लें।

– इसके बाद आप घी में डीप फ्राई या फिर एयर फ्रायर में 180°C पर 12–15 मिनट तक बेक करें या इसके अलावा आप तवे पर हल्का घी लगाकर सेंक लें।

यह लीजिए आपकी बिना चीनी, बिना मैदा और कम घी में बनी गुजिया तैया है। यह गुजिया डायबिटीज फ्रेंडली हैं, जो ब्लड शुगर को तेजी से नहीं बढ़ने देती है।

संक्षिप्त

ओला इलेक्ट्रिक कंपनी को हुआ फायदा, कंपनी ने किया था शानदार बदलाव

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी (ओला) के शेयरों में हाल ही में गिरावट देखने को मिली थी। वहीं अब ओला के शेयर अब बढ़ने लगे है। ओला के शेयर 1.55: बढ़कर 51.70 रुपये पर पहुंच गया, जो इसके नेटवर्क ट्रांसफॉर्मेशन और ओपेक्स रिडक्शन प्रोग्राम के सफल समापन के बाद हुआ, जो नवंबर 2024 में शुरू की गई एक कंपनी–व्यापी पहल है। लागत में कटौती और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस कार्यक्रम से वित्तीय और परिचालन सुधार हुए हैं। इस पहल ने प्रति माह 90 करोड़ रुपये की स्थायी लागत में कमी की है, जिससे ओला इलेक्ट्रिक के लिए वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही में ऑटोमोटिव सेगमेंट म्ठप्ज्क। ब्रेकईवन हासिल करने का रास्ता साफ हो गया है, इन उपायों का पूरा वित्तीय प्रभाव अप्रैल 2025 से महसूस होने की उम्मीद है। कार्यक्रम के प्रमुख घटकों में कंपनी के वितरण नेटवर्क का बड़ा बदलाव शामिल था। ओला इलेक्ट्रिक ने सभी क्षेत्रीय गोदामों को बंद कर दिया, और अपने स्टोर में वाहनों, स्पेयर पार्ट्स और एक्सेसरीज़ की सीधी फैक्ट्री शिपिंग का विकल्प चुना। पंजीकरण और अन्य प्रक्रियाओं के स्वचालन और बिक्री और सेवा नेटवर्क में उत्पादकता वृद्धि के साथ इस सुव्यवस्थितीकरण से काफी बचत हुई है। लागत में कमी के अलावा, इस कार्यक्रम ने परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय सुधार किया है। औसत वाहन इन्वेंट्री लगभग 35 दिनों से घटकर 20 दिन रह गई है, और ग्राहक डिलीवरी का समय 12 दिनों से घटकर 3–4 दिन रह गया है। कंपनी अपने वाहन पंजीकरण प्रक्रिया परिवर्तन को भी पूरा करने के करीब है। दैनिक पंजीकरण बढ़कर 800 से अधिक हो गए हैं, जो जनवरी और फरवरी 2025 के औसत दैनिक बिक्री के आंकड़ों को पार कर गए हैं।

एयर इंडिया ने इकोनॉमी किराए में योड़ी बढ़ोतरी कर दिया प्रीमियम इकोनॉमी टिकट की पेशकश

एयर इंडिया ने अपने ग्राहकों के लिए नई पेशकश कर रही है। एयर इंडिया ने अपनी प्रीमियम इकोनॉमी सर्विस में विस्तार करने की घोषणा की है। इसके तहत घरेलू उड़ानों पर शुरुआती किराया इकोनॉमी किराए से 599 रुपये अधिक रखा गया है। इस नई पेशकश की जानकारी एयरलाइन की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराई गई है। जानकारी के मुताबिक पिछले तीन वर्षों में प्रीमियम इकोनॉमी टिकट की बिक्री में दोगुनी वृद्धि के कारण सीमित अवधि की पेशकश को बढ़ावा मिला है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन एकमात्र वाहक है जो घरेलू उड़ानों में इस श्रेणी की सीटें प्रदान करती है। वेबसाइट ने बताया कि इसमें एक सप्ताह में 50,000 प्रीमियम इकोनॉमी सीटों का कोटा है, जिसमें से 34,000 या 68 प्रतिशत प्रमुख मेट्रो से मेट्रो कनेक्टिविटी वाली हैं। जो यात्री एयर इंडिया के साथ अपने पसंदीदा डेस्टिनेशन तक जाने के लिए प्रीमियम इकॉनमी चुनते हैं, उन्हें कई सुविधाएं मिलती हैं, जिनमें केबिन में पसंदीदा सीटों का मुफ्त चयन, प्राथमिकता चेक–इन, बोर्डिंग और बैगेज हैंडलिंग, 32 इंच की सीट पिच, 4 इंच की रिक्लाइन और बेहतर सीट अपहोल्स्ट्री शामिल हैं। वेबसाइट पर की गई घोषणा में कहा गया है कि एयरलाइन प्रीमियम चीनी मिट्टी के बर्तनों पर परोसे जाने वाले गर्म, निःशुल्क भोजन के साथ बेहतर भोजन अनुभव भी प्रदान करती है। ओडिशा के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने पिछले सप्ताह घोषणा की कि भुवनेश्वर से गाजियाबाद और पोर्ट ब्लेयर के लिए सीधी उड़ान सेवाएं 30 मार्च से शुरू होंगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस इन सेवाओं का संचालन करेगी। सीएमओ ने एक्स पर पोस्ट किया, भुवनेश्वर के लिए विमानन बोनान्ज़ा! माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार, क्योंकि रुन्यूडेस्टिनेशनपॉलिसी के तहत गाजियाबाद (हिंडन) और पोर्ट ब्लेयर के लिए नई उड़ानें जल्द ही शुरू होंगी – जिससे पर्यटन, व्यापार और निर्बाध संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। शेड्यूल के अनुसार, हिंडन से उड़ान सुबह 9:20 बजे रवाना होगी और 11:45 बजे भुवनेश्वर पहुंचेगी। वापसी की उड़ान ओडिशा की राजधानी से दोपहर 12:15 बजे रवाना होगी और दोपहर 2:30 बजे हिंडन पहुंचेगी। इसी तरह पोर्ट ब्लेयर के लिए फ्लाइट भुवनेश्वर से सुबह 10:35 बजे रवाना होगी और दोपहर 12:55 बजे पहुंचेगी। वापसी में यह पोर्ट ब्लेयर से दोपहर 1:25 बजे उड़ान भरेगी और दोपहर 3:35 बजे यहां उतरेगी।

इस भारतीय अरबपति ने 2025 में बाजार में गिरावट के बीच सबसे ज़्यादा पैसा खोया

घरेलू और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण शेयर बाजार में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। शेयर बाजार में तेज गिरावट देखने को मिल रही है। इससे कई भारतीय उद्योगपतियों की किस्मत पर प्रभाव देखने को मिला है। कई उद्योगपतियों की संपत्ति में भारी गिरावट देखने को मिली है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के जिन उद्योगपतियों की संपत्ति में गिरावट आई है उसमें रवि जयपुरिया, के पी सिंह, मंगल प्रभात लोढ़ा, गौतम अडानी, शिव नादर और दिलीप सांघवी शामिल हैं। इस दौरान सबसे अधिक गिरावट उद्योगपति रवि जयपुरिया की संपत्ति आई है। बता दें कि रवि जयपुरिया आरजे कॉर्प के संस्थापक और अध्यक्ष हैं। ये कंपनी खाद्य एवं पेय पदार्थ, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में फैली हुई है। उनकी कुल संपत्ति में लगभग 26: की गिरावट आई, जो 17. 6 बिलियन डॉलर के शिखर से घटकर 13.1 बिलियन डॉलर रह गई, जिसका मुख्य कारण उनकी प्रमुख कंपनी वरुण बेवरेजेस का खराब प्रदर्शन था, जिसने 2025 तक अपने मूल्य का लगभग 25 प्रतिशत खो दिया है। इस बीच, डीएलएफ के केपी सिंह और मैक्रोटेक डेवलपर्स के मंगल प्रभात लोढ़ा संपत्ति क्षरण के मामले में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे है। रिपोर्ट के अनुसार केपी सिंह की संपत्ति लगभग 25 प्रतिशत घटकर 13.6 अरब डॉलर और लोढ़ा की संपत्ति 21 प्रतिशत घटकर 9. 8 अरब डॉलर रह गई। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी की संपत्ति 20: घटकर 63.4 बिलियन डॉलर रह गई, जबकि एचसीएल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक शिव नादर की संपत्ति भी 20: घटकर 35.6 बिलियन डॉलर रह गई।

नॉकआउट मैच में मुंबई के सामने गुजरात की चुनौती, जीतने वाली टीम खेलेगी दिल्ली के खिलाफ फाइनल

मुंबई। महिला प्रीमियर लीग का तीसरा संस्करण नॉकआउट स्टेज पर पहुंच चुका है। दिल्ली कैपिटल्स अंक तालिका में शीर्ष रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी है जबकि सभी को दूसरी फाइनलिस्ट टीम का इंतजार है। मुंबई इंडियंस और गुजरात जाएंट्स के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाना है। यह मैच गुरुवार को मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। इस मुकाबले की विजेता टीम दिल्ली के खिलाफ 15 मार्च को फाइनल खेलेगी।

मुंबई का गुजरात पर पलड़ा भारी

एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस घरेलू परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाने की कोशिश करेगी। मुंबई ने सोमवार को इसी मैदान पर लीग चरण के मैच में गुजरात को नौ रन से हराया था। इस मैच में हरमनप्रीत ने 33 गेंद पर 54 रन की तूफानी पारी खेली थी। मुंबई इंडियंस के अपनी टीम में किसी तरह का बदलाव करने की संभावना नहीं है। हीली मैथ्यूज ने उन्हें अच्छी शुरुआत दी है और साथ ही अपनी ऑफ स्पिन से विरोधी टीम को परेशान भी किया है। वेस्टइंडीज की इस ऑलराउंडर ने गुजरात के खिलाफ लीग चरण के दोनों मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था और वह फिर से मैच विजेता बन सकती है। गुजरात के खिलाफ पिछले दोनों मैच में उन्होंने तीन–तीन विकेट लिए।

सिवर ब्रंट ने किया प्रभावित

मुंबई इंडियंस के लिए बल्लेबाजी में नेट सिवर–ब्रंट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आठ मैच में 416 रन बनाए हैं और वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज है। गुजरात के गेंदबाजों को उन पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। उन्होंने अपनी गेंदबाजी से भी अच्छा योगदान दिया है। मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत इस सत्र में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है लेकिन गुजरात के खिलाफ सोमवार को खेले गए मैच में अर्धशतक बनाने से उनका मनोबल बढ़ा होगा।

गुजरात के लिए जीतना होगी बड़ी चुनौती

गुजरात जाएंट्स की कप्तान एश्ले गार्डनर इस बात को अच्छी तरह से समझती हैं कि मुंबई को हराना आसान नहीं होगा और उसके लिए उनके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ

खेल दिखाना होगा। गार्डनर के लिए यह सत्र अभी तक उतार चढ़ाव वाला रहा है। इसके बावजूद वह 235 रन बनाने में सफल रही। मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाई थी और अब उन पर बड़ा स्कोर बनाने का दबाव होगा। गुजरात की तरफ से बल्लेबाजी में हरलीन देओल ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने विषम परिस्थितियों में अच्छी पारियां खेलकर अपनी टीम को इस मुकाम पर पंहुचाने में अहम भूमिका निभाई है।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

महिला प्रीमियर लीग 2025 की अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	नेट रन रेट
दिल्ली कैपिटल्स (फ)	8	5	3	10	0.396
मुंबई इंडियंस	8	5	3	10	0.192
गुजरात जाएंट्स	8	4	4	8	0.228
रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु	8	3	5	6	–0.196
यूपी वॉरियर्स	8	3	5	6	–0.624

मुंबई इंडियंस : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नादिन डी क्लार्क, संस्कृति गुप्ता, साइका इशाक, शबनम इस्माइल, जिन्तिमनी कलिता, जी कमालिनी, अमनदीप कौर, अमनजोत कौर, एस. कीर्तन, अमेलिया कर, अक्षिता माहेश्वरी, हीली मैथ्यूज, सजीवन सजना, नेट सिवर–ब्रंट, परुनिका सिसोदिया, क्लो ट्राईटन।

गुजरात जाएंट्स : एश्ले गार्डनर (कप्तान), हरलीन देओल, डिएंड्रा डॉटिन, भारती फुलमाली, काशवी गौतम, डेनिएल गिब्सन, दयालन हेमलता, तनुजा कंवर, मन्नत कश्यप, फीबी लीचफील्ड, मेघना सिंह, बेथ मूनी, प्रकाशिका नाइक, प्रिया मिश्रा, सायली सतघरे, शबनम शकील, सिमरन शेख, लाउरा वोल्वार्ड्ट।

आईसीसी ने जारी की वनडे रैंकिंग, शुभमन गिल टॉप पर काबिज, रोहित–कुलदीप ने लगाई बड़ी छलांग

आईसीसी ने बुधवार को खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। ये रैंकिंग हाल ही में समाप्त हुई आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद जारी हुई है जिसमें भारतीय टीम और खिलाड़ियों ने जमकर धूम मचाई है। इस वनडे रैंकिंग में टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने धमाल मचाया है। जबकि शुभमन गिल बल्लेबाजों की लिस्ट में टॉप पर काबिज हैं। जहां कुलदीप और जडेजाने 3–3 पायदान की छलांग लगाई है। इसके साथ ही कुलदीप तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। जबकि जडेजा ने टॉप–10 में एंट्री कर ली है। वो अब 10वें नंबर पर आ गए हैं। टॉप–10 गेंदबाजों में बस यही दोनों भारतीय हैं। जबकि श्रीलंका के महीश तीक्ष्णा टॉप पर काबिज हैं।

दूसरी ओर वनडे की बल्लेबाजी रैंकिंग में टीम इंडिया के ओपनर बल्लेबाज शुभमन गिल अब भी टॉप पर काबिज हैं। पाकिस्तान की पूर्व कप्तान बाबर आजम दूसरे नंबर पर हैं। तो टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा को 2 पायदान का फायदा हुआ है और अब वो तीसरे नंबर पर हैं। साथ ही विराट कोहली एक पायदान फिसले हैं। वो अब 5वें नंबर पर पहुंचे हैं। वनडे की बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप–10 में चार ही भारतीय काबिज हैं। गिल, कोहली और रोहित के अलावा चौथे भारतीय श्रेयस अय्यर हैं, जो 8वें नंबर पर मौजूद हैं। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र को 14 पायदान का फायदा हुआ है। वो वनडे की बल्लेबाजी रैंकिंग में अब 14वें नंबर पर पहुंच गए हैं। फाइनल में भारत से हारने वाली कीवी टीम के डेरिल मिचेल अकेले बल्लेबाज हैं, जो टॉप 10 में हैं। वो एक पायदान की छलांग लगाकर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं।

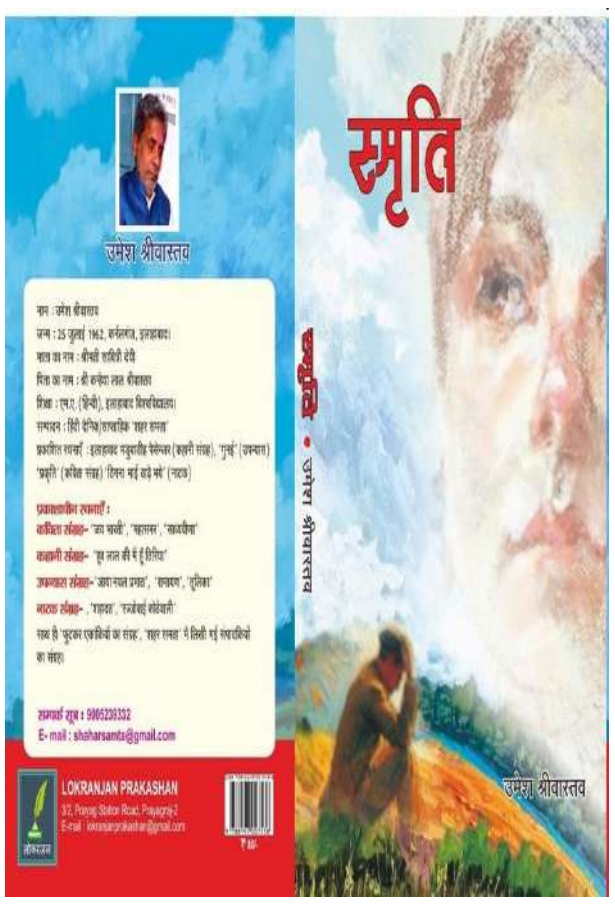

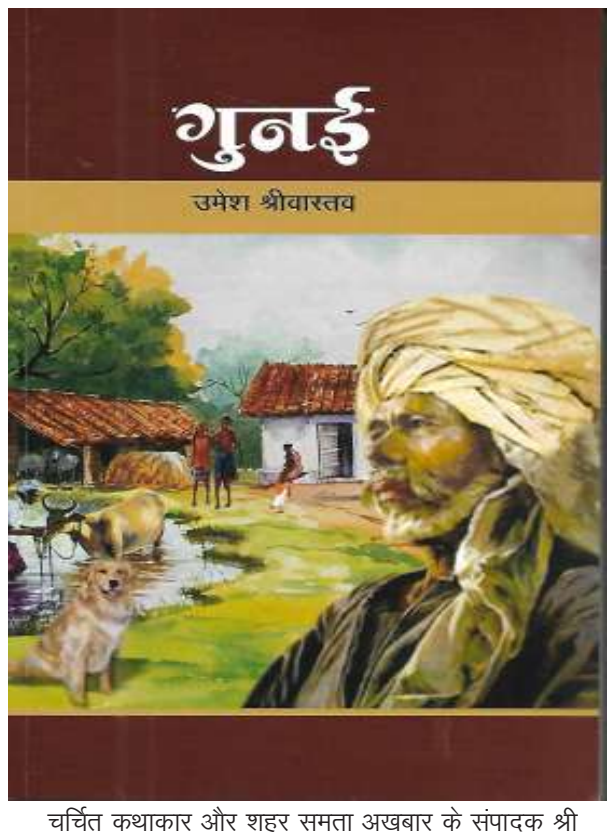

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

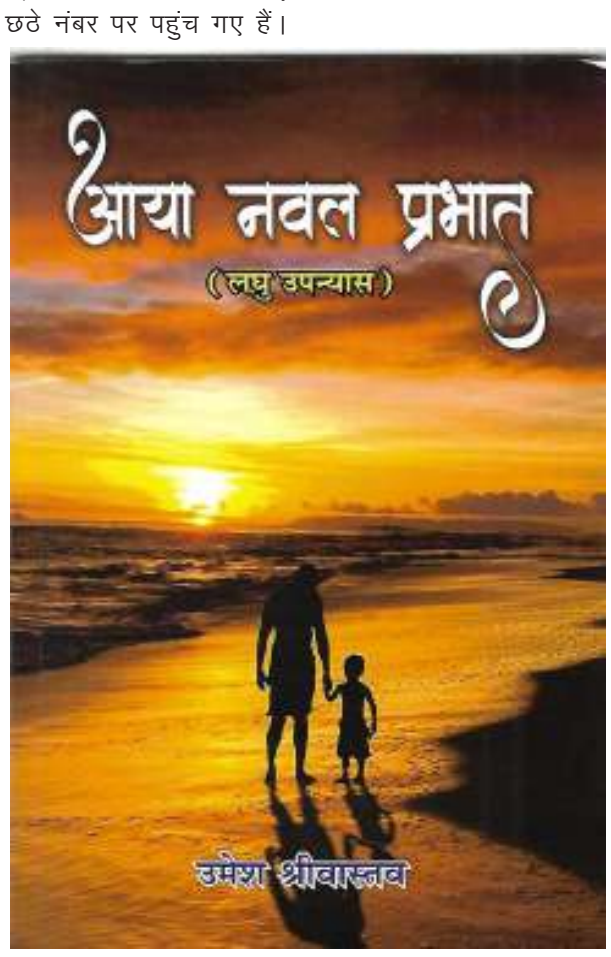

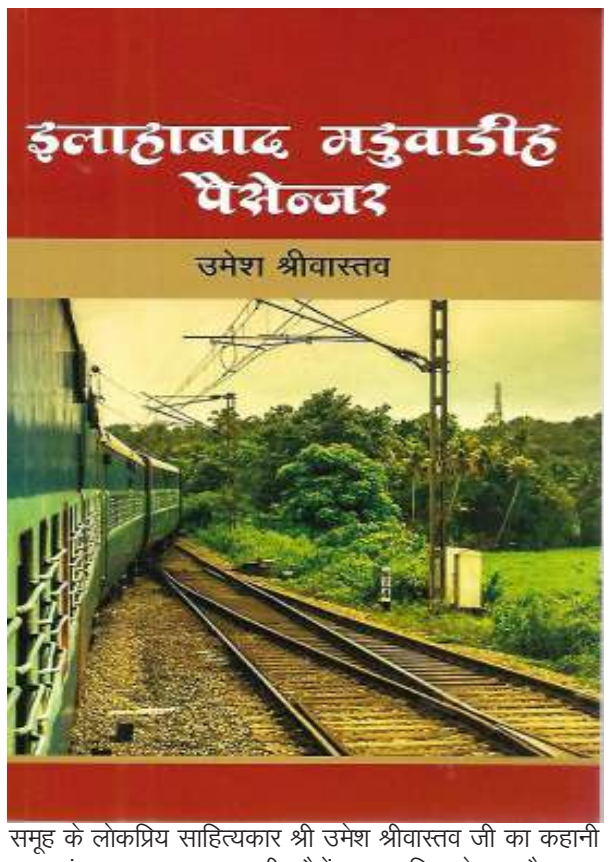

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

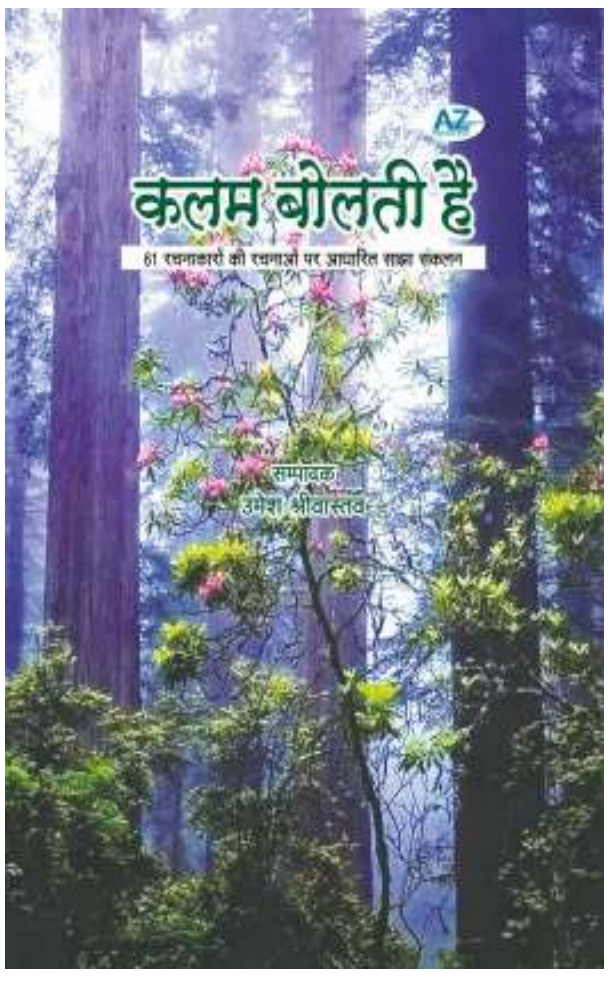

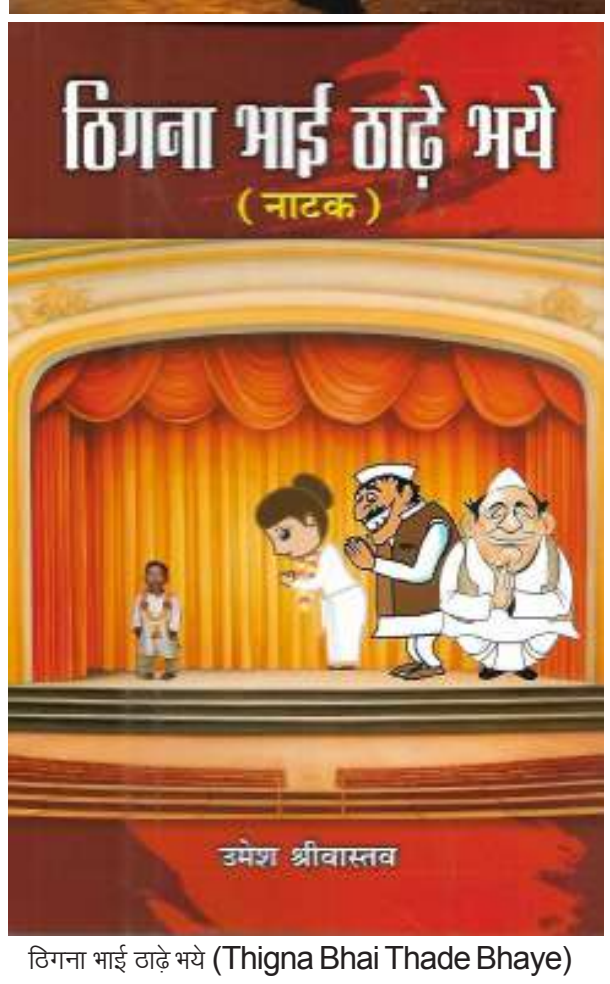

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

30 दिनों के लिए रुक जाएगी रूस-यूक्रेन के बीच की जंग, ट्रंप या फिर MBS कौन हैं इस युद्धविराम का असली नायक ?

झगड़े, बहस और कई तरह की रोक के बाद आखिरकार एक बार फिर अमेरिका यूक्रेन के बीच की लड़ाई खत्म हो रही है। युद्ध के बीच पिछले एक महीने में यूक्रेन ने अपने सबसे मजबूत सहयोगी को उसे खुद से अलग होते हुए देखा। जेलेंस्की के लिए ये सबसे बड़ी चुनौती थी कि वो अमेरिका को अपने साथ रखे। लेकिन फिर एक झगड़े ने सबकुछ खराब कर दिया। लगा कि अब यूक्रेन के लिए शामत आ चुकी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदोमीर जेलेंस्की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आपस में ही भिड़ गए। बहस की तस्वीर पूरी दुनिया ने देखी। लेकिन एकबार फिर यूक्रेन के राष्ट्रपति ने अमेरिका को बातचीत के लिए मना लिया है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की सऊदी अरब में मौजूद हैं। इससे पहले भी अमेरिका, रूस और सऊदी के बीच एक बैठक रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर हुई थी। तब यूक्रेनी राष्ट्रपति को इस बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया था। वो इस बैठक में नहीं आए थे। वहीं बैठक को लेकर डोनाल्ड ट्रंप ने तो टाइमलाइन तक जारी कर दी है। ट्रंप ने कहा कि इसी हफ्ते अच्छी खबर आ सकती है।

मास्को पर ड्रोन हमला

सऊदी अरब के जेद्दा में 11 मार्च को तीन साल से जारी रूस और यूक्रेन की जंग रोकने को बातचीत हुई है। बैठक यूक्रेन और अमेरिका के टॉप अधिकारी मौजूद रहे हैं। बैठक ऐसे समय में हुई है, जब सोमवार रात यूक्रेन ने रूस की राजधानी मास्को पर ड्रोन हमला किया। रूस ने दावा किया है कि 337 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। ड्रोन अटैक में दो लोगों की मौत हो गई, 18 लोग जख्मी हो गए। एयरपोर्ट बंद कर दर्जनों उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा।

ट्रंप ने इस पर क्या कहा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन युद्ध विराम पर सहमत हो गया है। अब हमें रूस जाना है और उम्मीद है कि राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन भी इस पर सहमत होंगे। शहरों में लोग मारे जा रहे हैं, शहरों में विस्फोट हो रहे हैं। हम चाहते हैं कि यह युद्ध समाप्त हो जाए, यह पूर्ण युद्ध विराम है। यूक्रेन इस पर सहमत हो गया है और उम्मीद है कि रूस भी सहमत होगा। युद्ध विराम बहुत महत्वपूर्ण है। अगर हम रूस से ऐसा करवा पाते हैं, तो यह बहुत अच्छा होगा।

सीजफायर की तैयारी में यूक्रेन ?

वहीं खबरों के अनुसार यूक्रेन ने अमेरिका का प्रस्ताव मान लिया है, सीजफायर की अवधि 30 दिनों की होगी। अब ये प्रस्ताव रूस के सामने रखा जाएगा। काला सागर क्षेत्र में संघर्ष विराम, मिसाइल हमलों पर रोक और युद्धबंदियों की रिहाई शामिल होगी। अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताया कि इस बैठक में दुर्लभखनिजों को लेकर एक समझौता भी हो सकता है, जिसमें ट्रंप विशेष दिलचस्पी रखते हैं। वहीं, रूस ने अभी तक किसी भी तरह के समझौते की पेशकश नहीं की है।

संक्षिप्त

पाकिस्तान में ट्रेन में बंधक बनाए गए 155 यात्रियों को बचाया गया, मारे गए 27 आतंकवादी

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक यात्री ट्रेन के अपहरण के बाद आतंकवादियों ने सैकड़ों लोगों को बंधक बना रखा है, सुरक्षा बल वर्तमान में बंधकों को बचाने के लिए बचाव अभियान चला रहे हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए), एक अलगाववादी आतंकवादी समूह ने मंगलवार को क्वेटा से पेशावर जाते समय जाफ़र एक्सप्रेस को अपहरण करने की जिम्मेदारी ली है। बुधवार सुबह तक, कम से कम 155 यात्रियों को बचा लिया गया है, जबकि चल रहे अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने 27 आतंकवादियों को मार गिराया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब तक सभी यात्रियों को ट्रेन से नहीं निकाल लिया जाता, तब तक सफाई अभियान जारी रहेगा। बताया जाता है कि बंधक बनाए गए कुछ यात्रियों को पहाड़ों में ले जाया गया है, और सुरक्षा बल अंधेरे में उनका पीछा कर रहे हैं। बलूचिस्तान प्रांत की आजादी की मांग करने वाले बीएलए ने घोषणा की है कि उसके कब्जे में वर्तमान में 214 लोग बंधक हैं और उसने कम से कम 30 सुरक्षाकर्मियों की हत्या की है, इन आंकड़ों की पुष्टि पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा अभी नहीं की गई है। मंगलवार को आतंकवादियों ने जाफर एक्सप्रेस पर गोलीबारी की, जिसमें नौ बोगियों में 425 यात्री सवार थे, जब यह गुडलार और पीरू कुनरी के पहाड़ी इलाकों के पास मश्कफ सुरंग से गुजर रही थी। पाकिस्तानी मीडिया ने उस सुरंग के पास भीषण गोलीबारी और विस्फोट की खबर दी है, जहां आतंकवादियों ने ट्रेन पर हमला किया। रिंद ने कहा कि पेशावर जाने वाली यात्री ट्रेन पर ''भीषण'' गोलीबारी की खबरों के बीच बचाव दल को मौके पर भेजा गया है। इस बीच, पाकिस्तान रेलवे ने क्वेटा रेलवे स्टेशन पर एक आपातकालीन डेस्क स्थापित किया है क्योंकि चिंतित रिश्तेदार अपने प्रियजनों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए पहुंच रहे हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में पाकिस्तान रेलवे ने डेढ़ महीने से अधिक समय के निलंबन के बाद क्वेटा और पेशावर के बीच रेल सेवाएं बहाल करने की घोषणा की थी।

मुक्त व्यापार के लिए अमेरिका के प्रतिबद्ध होने तक कनाडा शुल्क जारी रखेगा : कार्नी

कनाडा के अगले प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार तब तक शुल्क जारी रखेगी जब तक अमेरिका सम्मान नहीं दिखाता और मुक्त व्यापार के लिए प्रतिबद्ध नहीं होता।कार्नी की टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कदम के बाद आई है, जिसमें ट्रंप ने कनाडा के लिए शुल्क बढ़ाने का ऐलान किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के लिए

इस्पात और एल्युमीनियम उत्पादों पर लगाए जाने वाले सीमा शुल्क को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मंगलवार को घोषणा की। इससे दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापार युद्ध गहराने के आसार बनते दिख रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि शुल्क वृद्धि का यह फैसला बुधवार से लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि शुल्क में वृद्धि कनाडा के ओंटारियो प्रांत की सरकार के अमेरिका को बेची जाने वाली बिजली की कीमतें बढ़ाने की प्रतिक्रिया है। आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के स्थान पर शपथ लेने वाले कार्नी ने कहा कि ट्रंप के नवीनतम शुल्क कनाडाई श्रमिकों, परिवारों और व्यवसायों पर हमला हैं। कार्नी ने कहा, ''मेरी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि हमारी प्रतिक्रिया का अमेरिका में अधिकतम प्रभाव हो और यहां कनाडा में न्यूनतम प्रभाव हो, साथ ही प्रभावित श्रमिकों का समर्थन किया जाएगा।

ब्रिटेन ने स्टील और एल्युमीनियम आयात पर ट्रंप के टैरिफ को बताया निराशाजनक, कहा- पलटवार नहीं करेंगे

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा वैश्विक स्टील और एल्युमीनियम के आयात पर लगाए गए करों (टैरिफ) को शनिराशाजनकश बताया। इसने साथ ही यह भी कहा कि वह इसके जवाब में कोई बदले वाला कदम नहीं उठाएगी। हालांकि, व्यापार मंत्री जोनाथन रेनोल्ड्स ने भविष्य में अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की संभावना से इनकार नहीं किया और कहा कि वह अमेरिका के साथ करीब से संपर्क बनाए रखेंगे, ताकि ब्रिटेन के व्यापारिक हितों को प्राथमिकता दी जा सके। रेनॉल्ड्स ने कहा, श्हम सभी विकल्प खुले रखेंगे और राष्ट्रीय हित में जवाब देने से हिचकिचाएंगे नहीं। वहीं, ब्रिटेन के वित्त मंत्री जेम्स मरे ने भी रेनॉल्ड्स के बयान का समर्थन करते हुए टाइम्स रेडियो से कहा, हमारे पास जवाब देने का अधिकार सुरक्षित है।

यूक्रेन को सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करना फिर से शुरू करेगा ट्रंप प्रशासन

अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को कहा कि वह यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता और कीव के साथ खुफिया जानकारी साझा करने पर लगा अपना प्रतिबंध तुरंत हटा लेगा। अमेरिका ने यह कदम करीब एक सप्ताह पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को रूसी सेना के साथ युद्ध समाप्त करने के मद्देनजर वार्ता में शामिल होने का दबाव डालने के लिए उठाया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

पाकिस्तान ट्रेन हाईजैक पर आया सबसे बड़ा अपडेट, झूठ बोल रहे शहबाज शरीफ ? एक भी आतंकी नहीं मरा!

पाकिस्तान हर घंटे एक नया अपडेट दे रहा है। दावा कर रहा है कि वो हर घंटे एक एक आतंकी को मार रहे हैं। पाकिस्तानी नागरिकों की रिहाई के लिए सुरक्षित ऑपरेशन चलाया जा रहा है। लेकिन इससे उलट बीएलए का दावा कुछ और ही बता रहा है। बीएलए जहां अगले राउंड में 10 पाकिस्तानियों को मारने की धमकी दे रहा है। वहीं वो ये दावा भी कर रहा है कि पाकिस्तान की तरफ से अबतक जितने दावे भी किए गए हैं वो झूठे हैं। अपनी आखिरी प्रेस रिलीज में बीएलए ने पाकिस्तान की पोल खोल दी है। कहा है कि पाकिस्तान की तरफ से किया गया दावा झूठा है। हाईजैक में एक एक घंटा बीत रहा है। बीएलए की पकड़ मजबूत हो रही है और अभी तक एक भी बीएलए विद्रोही मारा नहीं गया है। जहां दूसरी तरफ पाकिस्तान का दावा है कि उसने कई आतंकियों को मार गिराया है। वहीं बीएलए इससे उलट दावा कर रहा है कि उसका एक भी साथी नहीं मारा गया है। पाकिस्तान कह रहा है कि उसने 16 आतंकियों को मार गिराया है। लेकिन सारे दावों से बेपहवाह बीएलए साफ कह रहा है कि पाकिस्तान 48 घंटे में कैदियों की रिहाई के लिए मान जाए।

पाकिस्तान की तरफ से क्या दावा किया गया

पाकिस्तान की तरफ से कहा गया कि आतंकवादियों के साथ जारी मुठभेड़ के दौरान वे महिलाओं और बच्चों सहित 104 यात्रियों को बचाने में सफल रहे। वहीं दावा ये भी किया गया कि मुठभेड़ में 16 आतंकवादी मारे गए हैं और कई अन्य घायल हो गए हैं। मुठभेड़ अभी जारी है। उन्होंने कहा कि जब तक सभी यात्रियों को ट्रेन से नहीं निकाल लिया जाता, तब तक आतंकवादियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

एयर स्ट्राइक की तैयारी, ड्रोन और एफ-16 फाइटर जेट उड़ानें भर रहे हैं

सूत्रों के अनुसार पाक सेना ने बंधकों को छुड़ाने के लिए मंगलवार देर रात एयर स्ट्राइक की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। तुर्किए से मिले ड्रोन और अमेरिकी फाइटर जेट एफ-16 ने गोलन के आसमान पर उड़ानें भरीं। सूत्रों के अनुसार अटैक हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल हो सकता है। पता चला है कि क्वेटा एयरबेस से घटनास्थल के पास के क्षेत्रों में 12 हेलीकॉप्टर रवाना किए गए हैं।

रेस्क्यू मिशन आर्मी चीफ मुनीर को सौंपा गया

इस बड़े हमले के बाद आर्मी चीफ आसिम मुनीर प्रधानमंत्री पीएम शहबाज शरीफ से मिलने इस्लामाबाद में उनक सरकारी आवास पर पहुंचे। सूत्रों के अनुसार इस इमरजेंसी मीटिंग में एयरफोर्स चीफ को भी बुलाया गया। बैठक में ये तय हुआ है कि रेस्कूय मिशन की कमान मुनीर ही संभालेंगे। शरीफ ने देर रात अपनी कैबिनेट की बैठक भी बुलाई। ट्रेन हाईजैक की घटना के बारे में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को भी ब्रीफ किया गया है।

भारत में अमेरिकी शराब पर 150 प्रतिशत टैरिफ, ट्रंप के टैरिफ वार के बीच व्हाइट हाउस का बड़ा बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर पारस्परिक टैरिफ लगाने की 2 अप्रैल की समयसीमा समाप्त होने में एक महीने से भी कम समय बचा है, व्हाइट हाउस ने अमेरिकी शराब और कृषि उत्पादों पर टैरिफ लगाने के लिए नई दिल्ली की आलोचना की है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रेस सचिव कैथरीन लेविट ने सुझाव दिया कि अमेरिकी वस्तुओं पर भारतीय टैरिफ मौजूदा व्यापार स्थिति में मदद नहीं कर रहे हैं। भारत की आलोचना करने के अलावा, लेविट ने निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं के लिए ट्रंप की प्रतिबद्धता को उजागर करते हुए कनाडा पर

अमेरिका को लूटने का भी आरोप लगाया। राष्ट्रपति दशकों से कनाडा द्वारा अमेरिका और मेहनतकश अमेरिकियों को लूटने के मामले में जवाब दे रहे हैं। अगर आप कनाडा द्वारा अमेरिकी लोगों और हमारे यहां काम करने वाले लोगों पर लगाए जा रहे टैरिफ की दरों को देखें, तो यह बहुत ही गंभीर है। मेरे पास एक आसान चार्ट है जो सिर्फ़ कनाडा ही नहीं बल्कि पूरे देश में टैरिफ़ की दर दिखाता है। अगर आप कनाडा को देखें, तो अमेरिकी पनीर और मक्खन पर करीब 300 प्रतिशत टैरिफ़ है। आप भारत को देखें, तो अमेरिकी शराब पर 150 प्रतिशत टैरिफ़ है। क्या आपको लगता है कि इससे केंटकी बॉर्बन को भारत में निर्यात करने में मदद मिल रही है? प्रेस सचिव ने आगे कहा कि ट्रम्प पारस्परिकता में विश्वास करते हैं, और अब समय आ गया है कि हमारे पास एक ऐसा राष्ट्रपति हो जो वास्तव में अमेरिकी व्यवसायों और श्रमिकों के हितों का ध्यान रखे। कनाडाई इस्पात और एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ की योजना लागू हो गई, एक दिन पहले ट्रम्प ने कहा था कि ओंटारियो की प्रांतीय सरकार द्वारा तीन अमेरिकी राज्यों को बिजली निर्यात पर 25 प्रतिशत अधिभार को निलंबित करने के निर्णय के बाद वह कनाडाई इस्पात और एल्युमीनियम पर टैरिफ को दोगुना करने से ष्संभवतःष पीछे हट जाएंगे।

धमाका, गोलीबारी, वो तबाही का मंजर था, हमले को याद कर यात्रियों ने बताई आपबीती

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रेल पर हुए हमले को 24 घंटे से ज्यादा का वक्त बीत चुका है, लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में लोग बलोच विद्रोहियों के कब्जे में हैं। पाकिस्तान की सेना बंधकों को छुड़ाने का अभियान चला रही है। इस बीच इस हमले में बचे लोग अभी भी उस डर से बाहर नहीं निकल पाए हैं। हमले में बचे एक यात्री मुश्ताक मोहम्मद ने बताया कि श्हमले के वक्त तेज धमाका हुआ और गोलियां चलने लगीं। वो ऐसा दृश्य था, जो कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।श

बलूच विद्रोहियों ने ट्रेन की अगवा

बलूच विद्रोहियों ने मंगलवार को बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा से करीब 100 किलोमीटर दूर बोलन स्टेशन के नजदीक एक ट्रेन जाफर एक्सप्रेस को हथियारों के दम पर अगवा कर लिया। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बलूच लड़ाकों के हमले में 20 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। वहीं पाकिस्तानी मीडिया का कहना है कि सुरक्षा बलों ने 155 बंधकों को रिहा करा लिया है और सेना की जवाबी कार्रवाई में 27 बलूच लड़ाके मारे गए हैं। बलूच लड़ाकों ने बलूचिस्तान की महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को छोड़ दिया, जबकि ट्रेन में सवार सेना और सुरक्षाबल के जवानों को बंधक बना लिया।

क्या बोले हमले में जिंदा बचे लोग

हमले के वक्त जाफर एक्सप्रेस के नौ डिब्बों में करीब 500 यात्री सवार थे। यह रेल क्वेटा से पेशावर जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुश्ताक ने बताया कि हमले के वक्त वे और उनका परिवार ट्रेन के तीसरे कोच में थे। उन्होंने कहा कि एक तेज धमाका हुआ और इसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई। गोलीबारी करीब एक घंटा तक जारी रही। यह ऐसा मंजर था, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। एक अन्य यात्री इशाक नूर ने बताया कि वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ क्वेटा से रावलपिंडी जा रहा था। नूर ने कहा 'धमाका इतना तेज था कि ट्रेन की कई खिड़की और दरवाजे भी टूट गए।'

बलूचिस्तान के लोगों को जाने दिया

मुश्ताक ने बताया कि गोलीबारी के बाद नकाबपोश लोग रेल की बोगियों में चढ़े और उन्होंने लोगों के आईडी कार्ड जांचने शुरू कर दिए। बीएलए के लड़ाकों ने यात्रियों से कहा कि वे आम

नागरिकों, महिलाओं और बच्चों के साथ ही बलूच नागरिकों को कुछ नहीं कहेंगे। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति ने लड़ाकों का सामना करने की कोशिश की तो उन्होंने उसे बुरी तरह पीटा और ट्रेन के नीचे उतारकर गोली मार दी। इशाक ने बताया कि जब मैंने लड़ाकों को बताया कि मैं बलूचिस्तान का निवासी हूं तो उन्होंने मुझे मेरे परिवार के साथ जाने दिया। बलूच लड़ाकों द्वारा छोड़े गए एक यात्री ने बताया कि हम लोग रिहा किए जाने के बाद पैदल ही करीब तीन घंटे में नजदीकी पनीर स्टेशन पहुंचे। एक यात्री ने बताया कि वह तबाही का मंजर था और लोग बहुत डरे हुए थे। एक यात्री ने बताया कि मेरे अनुमान के मुताबिक करीब 250 लोगों को बंधक बनाया गया और लड़ाकों की संख्या करीब 1100 थी।

मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में शामिल हुआ आईएनएस इंफाल

पोर्ट लुईस, एजेंसी। मॉरीशस आज अपना 57वां राष्ट्रीय दिवस मना रहा है। पीएम मोदी इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में भारत के एक मार्चिंग दस्ते, एक नौसेना बैंड और दो मल्टीरोड हेलीकॉप्टर ने भी शिरकत की। साथ ही आईएनएस इंफाल भी भारत की मॉरीशस के प्रति सद्भावना प्रदर्शित करने के लिए पोर्ट लुईस पहुंचा। बुधवार को भारतीय नौसेना ने मॉरीशस के लोगों के लिए अपने उन्नत युद्धपोत आईएनएस इंफाल के डेक आम लोगों के लिए खोल दिए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।